ज्येष्ठ, शुक्ल पक्ष 3, वर्ष-10, अंक 85 पृष्ठ- 8, मूल्य : 02 रुपये

प्रयागराज, शनिवार 15 जून, 2024

TM

नगर संस्करण

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष मे प्रसारित

10 वर्ष विश्वास के

Adhunik Samachar

आई.टी.आई में सीधे प्रवेश

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE

(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के प्रवेश कार्यालय का हुआ उद्घाटन

नैनी। नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के प्रवेश कार्यालय का हुआ उद्घाटन भारत सरकार द्वार मान्यता प्राप्त नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र प्रवेश कार्यालय का सिविल डिफेंस प्रयागराज के मंडल अधिकारी रौनक गुप्ता के द्वार किया गया प्रशिक्षण केंद्र के प्रवेश प्रभारी मोहम्मद कौसर ने बताया कि प्रयागराज में न्यूनतम शुल्क मुझे प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। यहां इंडस्ट्रियल विजिट सेमिनार, ग्रुप डिस्कशन, आदि कराया जाता है जिसे प्रशिक्षणार्थियों का सर्वांगिन विकास होता है. केंद्र गुणवत्ता परिषद द्वारा स्टार ग्रेडिंग प्राप्त है. केंद्र के कंप्यूटर शिक्षक रोहित शुक्ल ने बताया कि सरकार द्वार छात्रवृत्ति एवं टैबलेट की सुविधा उपलब्ध है प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण के दौरन सरकार द्वार मांडे भी दिया जाता है प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण के दौरन सरकार द्वार मांडे भी दिया जाता है. मुख्य अतिथि ने नवीन प्रवेशार्थियों का स्वागत एवं उज्जवल भविष्य की कामना की अंतरराष्ट्रीय स्तर का है प्रयागराज नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण के द्र-रौनक गुप्ता.इस अवसर पर निरीक्षक विजय पांडे, रोहित शुक्ला, सचिन श्रीवास्तव, मोहम्मद कौसर, प्रदीप जायसवाल आदि लोग उपस्थित रहें।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र.के छात्र रेलवे में चयनित

नैनी। नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के चार छात्रों का सिकंदराबाद में रेलवे में चयनित होने पर संस्थान परिवार ने बधाई दी है। प्रयागराज करछना तहसील के नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के चार छात्रों का रेलवे के धारा रेल प्रोजेक्ट सिकंदराबाद में चयन होने से विद्यालय प्रबंधतंत्र द्वारा छात्र का सम्मान एवं अभिनन्दन किया। इस अवसर पर संस्थान के प्रवेश प्रभारी मोहम्मद कौसर ने इन छात्रों का समारोहपूर्वक अभिनंदन एवं सम्मान करते हुये कहा कि यह विद्यालय के लिये गौरव की बात है।संस्थान के शिक्षक सदैव इस बात पर बल देते हैं कि छात्र अच्छा सीखें और अपने भविष्य को उज्ज्वल एवं सफल बनावें। उन्होंने भविष्य में और मेहनत व लगन से अध्यापन व अध्ययन करने हेतु शिक्षकों और छात्रों का आह्वान किया। इस अवसर पर केक काटकर केंद्र का स्थापना दिवस भी मनाया गया।

Admission Open 2024-25

श्री सत्यदेव दुबे (प्रधानाचार्य)
राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, भदोही

श्री सुजीत श्रीवास्तव (प्रधानाचार्य)
राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, नैनी, प्रयागराज

इं. अर्चना सरोज (ट्रेनिंग एवं पलेसमेन्ट, अधिकारी
राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, खागा, फतेहपुर

- ★ C.O.P.A.
- ★ Fitter
- ★ Computer Teacher Training
- ★ Electrician
- ★ Fire Safety & Industrial Security
- ★ Repair of Refrigerator & A.C.
- ★ Welding Technology
- ★ Certificate in YOGA
- ★ Security Service
- ★ Computer Hardware& Maintenance

Naini ITC Honored by U.P. State Industrial Association

JEEVAN EXPRESS NEWS

PRAYAGRAJ: A seminar was organized by Uttar Pradesh State Industrial Association on Friday. In which Naini Industrial Training Center was honored with a citation by the association's president Arvind Rai for providing high quality skilled workers. Mohammad Kausar received the honor from the Centre. On this occasion, all the entrepreneurs of Prayagraj including Arinnd Rai Sheetal Plastics, Anat Chandra Ventura Private Limited, BLKHN Engineering Works, S Shukla, Overseas Food Agro Private Limited, union officials and all the industrialists were present.

Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480

प्रदेश आस/पास

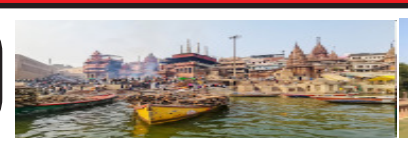

मृतक आश्रित में नियुक्त 07 सफाई कर्मियो को जिलाधिकारी ने सौपा नियुक्ति पत्र

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

मीरजापुर। 13 जून, 2024- जिला पंचायत अधिकारी कार्यालय के अधीन विभिनन स्थलो पर तैनात 07 सफाई कमिन्यो के मृत्युपरान्त उनके आश्रितो को भरण-पोषण हेतु मृतक आश्रित पर नियुक्ति प्रदान की गई। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने आज कलेक्ट्रेट सभागार में मृतक आश्रित पद पर नियुक्ति श्रीमती रेखा देवी पतनि स्व0 सुभाष कुमार सेठ, श्रीमती सोनाली कुमार पतनि स्व0 विनोद आनंद, श्रीमती रूबी अंसारी पतनि स्व0 मजहर अली, श्रीमती शीला देवी पतनि स्व0 राधेश्याम चन्द्र, श्रीमती लीलावती देवी पतनि स्व0 अशोक कुमार, श्री ऋषभ सिंह गोड़ पुत्र स्व0 प्रियंक कुमार गोड़ एवं श्री दुर्गेश कुमार पुत्र स्व0 शान्ति देवी को नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया।

पकड़े गए मुख्य हत्यारोपी, बाल बाल बचे साजिश से भाजपा नेता

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

मीरजापुर। ग्राम प्रधान ने अपने साथियो के साथ मिलकर कराई थी पंचायत मित्र की हत्या, बोलेरो से टक्कर मार कर की गई थी पंचायत मित्र की हत्या, ग्राम सभा मे मनरेगा योजना में अनैतिक कार्य विरोध कर रहा था पंचायत मित्र, पहले भी ग्राम प्रधान और पंचायत मित्र में हो चुकी थी कहासुनी, योजना बनाकर हाइवे पर मारा गया था पंचायत मित्र के मोटरसाइकल में टक्कर, मामले में परिजनों की तहरीर पर पूर्व बीजेपी जिलाध्यक्ष बालेंदु मणि त्रिपाठी समेत 5 बीजेपी नेताओं पर दर्ज हो गया था मुकदमा, बीजेपी नेताओ के विरोध के बाद शुरू हुई मामले की जांच, शुरुवाती जांच में ही पकड़े गए मुख्य आरोपी, पुलिस 5 आरोपियो को पकड़ कर भेजा जेल, प्रेस कांफ्रेंस कर किया खुलासा, लालगंज थाना क्षेत्र के पतुलखि का मामला ।

खेत में काम कर रहे पिता-पुत्र पर ताबड़तोड़ फायरिंग, बेटे की मौत, होली पर हुआ था विवाद

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज । बारा थाना क्षेत्र के भेलाव गांव में सुबह सात बजे खेत की जुताई करने गए पिता पुत्र पर गांव के ही कुछ लोगों ने पुरानी रंजिश को लेकर गोलियां बरसानी शुरू कर दी। गोली लगने से मनीष मिश्र (27) पुत्र संतोष मिश्रा की मौत हो गई।संतोष मिश्र ने बताया कि होली पर शराब के नशे में आरोपी राजेश उर्फ साकेत बिहारी पांडे से विवाद हुआ था। उसी बात से खुनन्स खाए राजेश ने अपने पिता व चचेरे भाई के साथ असलहा लेकर सुबह खेत पर पहुंच गया। बिना कुछ बताए मनीष पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। तीन गोली मनीष को लगी। उसे अस्पताल ले जा रहे थे कि रास्ते में ही उसकी सांसें थम गई। घटा की सूचना पर डीसीपी यमुनानगर श्रद्धा नरेंद्र पांडेय, एसीपी बारा व कौंधियारा के साथ मौके पहुंचकर छानबीन की।

16 जून को होगा त्रिवेणी योग महोत्सव

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज ।महिला सशक्तिकरण के लिए योगठ थीम पर आधारित 10वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस,2024 की तैयारी के उद्देश्य से विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी योगाभ्यास हेतु प्रयागराज फाउण्डेशन एवं पीयूष ग्रामोद्योग सेवा समिति सहित अन्य सहयोगी संस्थाओं द्वारा मॉ गंगा-यमुना- सरस्वती के पावन तट अरैल घाट सेल्फी प्वाइंट नैनी, प्रयागराज पर 16 जून 2024, रविवार को प्रातः काल 5:15 बजे से ठत्रिवेणी योग महोत्सवठ का आयोजन किया गया है उक्त अवसर पर सभी प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण पत्र और महिला स्वावलंबन के क्षेत्र में कार्य कर रही 10 मातृ शक्तियों को ठत्रिवेणी रतन् ठ सम्मान पत्र से सम्मानित भी किया जायेगा उल्लेखनीय है कि प्रयागराज फाउण्डेशन एवं पीयूष ग्रामोद्योग सेवा समिति विगत कई वर्षों से राष्ट्र और समाज की सेवा के लिए विभिनन् प्रकार के रचनात्मक, सांस्कृतिक, आध्यात्मिक व रोजगारपरक आयामो पर कार्य कर रहा है जहां एक ओर ग्रामीण स्वरोज़गार व कला संस्कृति के प्रोत्साहन हेतु विभिनन् विधाओं से जुड़े हस्तशिल्पियों के लिये प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा उनके उत्पादों के विपणन हेतु समुचित बाज़ार उपलब्ध कराने के लिए शिल्प मेले का आयोजन किया जाता है वही विलुप्त हो रही कला संस्कृति के संवर्धन हेतु विभिनन् प्रकार के सांस्कृतिक आयोजनों के साथ ही स्वस्थ समाज विकसित करने के लिए समय-समय पर आध्यात्मिक कार्यक्रम, चिकित्सा एवं योग शिविरों का भी सफलतापूर्वक आयोजन किया जाता है हमारी सहयोगी संस्थाओं द्वारा प्रतिवर्ष समाज के विभिनन् क्षेत्रों में रचनात्मक एवं उत्कृष्ट कार्य करने वाले भाई-बहनों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया जाता है उक्त आयोजन में सहयोगी संस्था के रूप में आरोग्यम योग संस्थान, भारत विकास परिषद, प्रयागराज उद्योग व्यापार मंडल, अंतस फाउंडेशन, प्रयागराज बधिर कल्याण ट्रस्ट, शिकागो पिज़्ज़ा, यमुना पार कलाकार संघ, मां शारदा संगीत समिति, संदीप एक्स्पोज़र, हिट फिल्म प्रोडक्शन, वोकल हब म्यूज़िकल स्टूडियो की प्रमुख भूमिका है उक्त आयोजन की सफलता हेतु आज हुई बैठक में सर्वश्री दत्तात्रेय पांडेय, जितेंद्र शर्मा हितैषी, कुमकुम आचार्य, आशीष गुप्ता, सचिन द्विवेदी, प्रियांशु श्रीवास्तव,आशीष शर्मा,जयव्रत सिंह, ऋषभ चौरसिया, गौरव त्रिपाठी, विजय कनौजिया, नितिन, बी. एन. दीक्षित, धनंजय सिंह आदि उपस्थित थे ।

हरे पेड़ों को कटने से बचाने के लिए स्काई हाई संस्था ने छेड़ी नायाब मुहिम, वायरल हो रहा है स्लोगन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज । हरे पेड़ों को कटने से बचाने के लिए सामाजिस संस्था स्काई हाई ने एक नायब मुहिम चलाई है। काटने के लिए चिन्हित किए गए पेड़ों पर स्लोगन लिखीं तख्तियां लगाई गई हैं। यह स्लोगन सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। पोस्टरों पर लिखा है कि ' इलाहाबाद वालों मुझे बचा लो, प्रयागराज वाले मुझे काट देंगे। ' पेड़ों पर लगे पोस्टरों पर यह मार्मिक अपील इन दिनों काफी चर्चा में है। महाकुंभ की परियोजनाओं को साकार करने के लिए संगमनगरी के परेड ग्राउंड पर लगे पेड़ों का काटा जा रहा है। इसके लिए चिहिनित पेड़ों पर लाल निशान लगा दिए गए। इन पेड़ों को बचाने की मुहिम भी छिड़ गई है। एक तरफ जहां पर्यावरण एवं वन मंत्रालय से इसकी शिकायत की गई है, वहीं पर्यावरण संरक्षण के लिए काम करने वाली संस्था स्काई हाई ने भी हरे पेड़ों को बचाने की मुहिम छेड़ दी है स्काई हाई की ओर से इन पेड़ों को कटने से बचाने के लिए पोस्टर लगाए गए हैं। चिह्नि सभी पेड़ों पर पोस्टर लगाए गए हैं। उन पोस्टरों पर लिखा है कि ' इलाहाबाद वालों मुझे बचालो, प्रयागराज वाले मुझे काट देंगे। ' पेड़ों पर लगे पोस्टरों पर यह मार्मिक अपील इन दिनों चर्चा में है। स्काई हाई के कार्यकर्ता इस मुहिम को धार देने के लिए सोशल मीडिया का भी सहारा ले रहे हैं। इंस्टाग्राम और अन्य माध्यमों के जरिए इस मुहिम को तेज किया जा रहा है। स्काई हाई के कई कार्यकर्ताओं की उन पेड़ों को पकड़े हुए तस्वीरें इंस्टाग्राम पर वायरल हो रही हैं। पेड़ों को बचाने का यह नायाब संदेश हर किसी का ध्यान खींच रहा है। इस अभियान से कई एंफ्लुएंसर्स जुड़े हुए हैं। महाकुंभ के मद्देनजर सड़कों का चौड़ीकरण करने के लिए परेड मैदान में ही नहीं शहर में भी पेड़ों को काटा जा रहा है। कुल नौ सौ से अधिक पेड़ इस सड़क चौड़ीकरण परियोजना के तहत काटे जाने हैं। बता दें कि हाईकोर्ट ने भी हाल में ही पेड़ों को काटे जाने के मामले का संज्ञान लिया है। हाईकोर्ट ने पहले 10 गुना अधिक पेड़ लगाने और फिर काटने के लिए कहा है।

गर्मी ने किया हाल बेहाल, चिलचिलाती धूप से परेशान हुए लोग

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज ।गर्म हवाएं दिन ही नहीं रात में भी चल रही है। जिसकी वजह से जन जीवन अस्त व्यस्त हो गया है। मौसम विभाग का कहना है कि मानसून आने में अभी चार से पांच दिन का समय लगेगा। ऐसे में गर्मी हावी रहेगी। 17 जून तक अधिकतम तापमान 46 डिग्री सेल्सियस के करीब और न्यूनतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस से अधिक रहने की संभावना है। चिलचिलाती धूप और गर्मी का कहर जारी है। कई दिनों तक भीषण गर्मी और तपन के बाद दो दिन से राहत मिली है। आसमान में बादलों के छाने के चलते धूप का प्रकोप कुछ तो कम हुआ है लेकिन शरीर झुलसाने के लिए काफी है। गर्म हवाओं के चलते लोग घरों में रहने के लिए बाध्य हैं। बाहर निकलते ही गला सूखने लगता है। सुबह आठ बजे के बाद से ही सड़कें गर्म हो जाती हैं और दोपहर दो बजे तक तो मानों अंगारे बरसने लगते हैं। शुक्रवार को तापमान करीब 46 और न्यूनतम तापमान 34.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

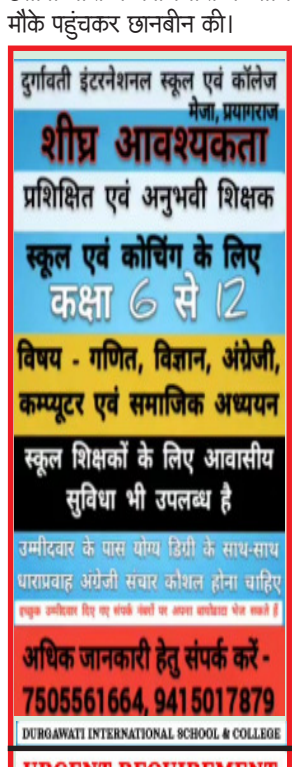

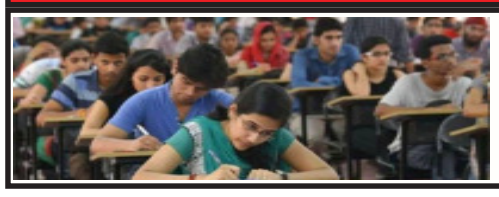

देश/विदेश

भारत

संक्षिप्त समाचार

2024 में भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए 8% की मजबूत वृद्धि की भविष्यवाणी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। सीआईआई के अध्यक्ष संजीव पुरी ने अपना विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि पिछला वर्ष सभी विकास पूर्वानुमानों से आगे निकल गया। भारत के आर्थिक प्रक्षेपवक्र और महत्वपूर्ण सुधार प्राथमिकताओं पर केंद्रित हाल ही में सीआईआई के एक कार्यक्रम में पुरी ने कहा कि हम भारत के भीतर और बाहर आने वाली रिपोर्टों और अनुमानों के बारे में आशावादी हैं। कार्यक्रम में नीतिगत हस्तक्षेपों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया गया, विशेष रूप से व्यापार करने में आसानी (ईओडीबी) को सुव्यवस्थित करने वाले। इन सुधारों ने अधिक व्यापार-अनुकूल

वातावरण को बढ़ावा दिया है, जिससे उद्योगों को फलने-फूलने और आर्थिक विस्तार में सार्थक योगदान करने की अनुमति मिली है ने कृषि, सूचना प्रौद्योगिकी, सेवाओं और वैश्विक व्यापार सहित विभिनन्‍ क्षेत्रों में मजबूत आर्थिक संकेतकों की ओर इशारा किया। इन क्षेत्रों से आने वाले वर्षों में भारत की आर्थिक वृद्धि के पीछे प्रेरक शक्ति बनने की उम्मीद है।एघ्घ् के सकारात्मक दृष्टिकोण को कई प्रमुख कारकों द्वारा बढ़ावा दिया गया है। संगठन को कई क्षेत्रों में मजबूत वृद्धि की उम्मीद है, जिससे भारतीय अर्थव्यवस्था 8ङ्म की प्रभावशाली वृद्धि पर पहुँचेगी। ने व्यावसायिक प्रक्रियाओं को सरल बनाने और नौकरशाही बाधाओं को कम करने के उद्देश्य से सरकार के नीतिगत उपायों की सराहना की। इन सुधारों ने कारोबारी माहौल में काफी सुधार किया है, खासकर छोटे और मध्यम आकार के उद्यमों (एर्ही) के लिए - जो भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं।इसके अलावा, एघ्घ् ने मुद्रास्फीति को प्रबंधित करने की सरकार की क्षमता पर विश्वास व्यक्त किया, और अनुमान लगाया कि यह 2024 में 4 से 4.5ङ्म के लक्ष्य सीमा के भीतर रहेगी। यह आशावादी पूर्वानुमान आर्थिक संकेतकों और मूल्य वृद्धि को रोकने के लिए सरकार के सक्रिय उपायों पर आधारित है। क्रय शक्ति को बनाए रखने और सतत आर्थिक विकास सुनिश्चित करने के लिए मुद्रास्फीति को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करना महत्वपूर्ण है।

15 लाख से अधिक तीथर्यात्री पहुंचे मक्का, सऊदी अरब में हज यात्रियों ने की काबा की परिक्रमा

मक्का। सऊदी अरब के मक्का में बड़ी संख्या में मुस्लिम तीथर्यात्रियों ने हज की आधिकारिक शुरुआत के लिए मीना की ओर जाने से एक दिन पहले गुरुवार को इस्लाम के सबसे पवित्र स्थल काबा की परिक्रमा की। सऊदी अरब के मक्का में बड़ी संख्या में मुस्लिम तीथर्यात्रियों ने हज की आधिकारिक शुरुआत के लिए मीना की ओर जाने से एक दिन पहले गुरुवार को इस्लाम के सबसे पवित्र स्थल काबा की परिक्रमा की। सऊदी अधिकारियों के अनुसार मंगलवार तक यहां 15 लाख से अधिक तीथर्यात्री यहां पहुंच चुके थे। अभी और लोगों के आने की उम्मीद है। सऊदी अधिकारियों के अनुसार, मंगलवार तक 15 लाख से अधिक तीथर्यात्री यहां पहुंच चुके थे। अभी और लोगों के आने की उम्मीद है। आधिकारिक तौर पर शुक्रवार को तीथर्यात्रा शुरू होने के बाद सउदी अरब में रहने वाले लोगों के भी बड़ी संख्या में यात्रा में शामिल होने की उम्मीद है। काबा की परिक्रमा करने वालों की भीड़ हज के पहले दिन शुक्रवार तक रहेगी, जब तीथर्यात्री मीना की ओर बढ़ेंगे। इसके बाद वे अराफात पर्वत पर जाएंगे। यहां से वे मुजदलिफा की ओर बढ़ेंगे। वहां, तीथर्यात्री कंकड़ इकट्ठा करेंगे। हज इस्लाम के पांच स्तंभों में से एक है। शारीरिक और आर्थिक रूप से सक्षम सभी मुसलमानों को अपने जीवन में कम से कम एक बार हज यात्रा करना जरूरी माना जाता है।

अमेरिका के साथ यूक्रेन ने किया रक्षा समझौता, जेलेंस्की बोले अब हम नाटो सदस्यता पाने की ओर, रूस पर भी साधा निशाना

बरी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान अमेरिका के साथ द्विपक्षीय सुरक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके बाद वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि यह समझौता कीव के नाटो में शामिल होने की कोशिश के लिए एक पुल है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान अमेरिका के साथ द्विपक्षीय सुरक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके बाद वोलोदिमीर जेलेंस्की ने बताया कि इस समझौते से पूरी दुनिया को क्या लाभ होगा। उन्होंने इस समझौते के बाद रूस का भी मुद्दा उठाया है और कहा ये समझौता सब की मदद करेगा। साथ ही ये यूक्रेन के लिए नाटो सदस्यता पाने का एक जरिया है। उन्होंने कहा कि 'यह समझौता सभी की मदद करेगा, क्योंकि रूस सभी के लिए एक 'वास्तविक वैश्विक खतरा'है। जेलेंस्की ने आगे कहा कि यह सुरक्षा पर एक समझौता है। यह सहयोग पर एक समझौता है और इस प्रकार हमारे राष्ट्र मजबूत बनेंगे। यह स्थायी शांति की गारंटी के कदमों पर एक समझौता है और इसलिए इससे दुनिया में सभी को लाभ होगा। ' यह समझौता अमेरिका और यूक्रेन के बीच कई महीनों की बातचीत के बाद हुआ है और उम्मीद है कि अमेरिका यूक्रेन के सशस्त्र बलों की लगातार ट्रेनिंग हथियारों और सैन्य उपकरणों की लागत, सैन्य सहायता के निरंतर प्रावधान और अधिक खुफिया जानकारी साझा करने के लिए 10 सालों तक बना रहेगा। बता दें कि राष्ट्रपति बाइडन ने गुरुवार को कहा कि अमेरिका यूक्रेन के प्रति अपने समर्थन में मजबूत बना हुआ है। सीएनएन के अनुसार, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ सुरक्षा समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद अमेरिकी जो बाइडन ने कहा, रूस का संघर्ष दुनिया के लिए एक परीक्षा रहा है। ग्रुप ऑफ सेवन (जी7) शिखर सम्मेलन 13-15 जून तक इटली के अपुलिया में आयोजित किया जा रहा है। सभी यूक्रेनियन और सभी यूरोपीय लोगों के लिए यह जानना बहुत महत्वपूर्ण है कि यूरोप में कोई सुरक्षा घाटा नहीं होगा, जो हमलावर को युद्ध के लिए प्रेरित करता है और भविष्य को अनिश्चित बनाता है।इससे पहले, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने मंगलवार को कहा था कि जी7 में यूक्रेन के प्रति अमेरिका की प्रतिबद्धता स्पष्ट बनी रहेगी और वॉशिंगटन पुतिन को हराने के लिए अपनी पूरी ताकत दिखाएगा।

पिता ने टैटू से की बेटे के शव की पहचान तो किसी की तमन्ना रही अधूरी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

कासरगोड (केरल)। कुवैत में एक आवासीय इमारत में लगी आग के बाद शोक और सदमे के बीच एक व्यक्ति के साहस और जिंदा बच निकलने की कहानी सामने आई है। उत्तरी केरल के त्रिक्कारिपुर निवासी नलिनाक्षन घटना के समय इमारत की तीसरी मंजिल पर फंसे हुए थे। कुवैत में एक बहुमंजिला इमारत में लगी भीषण आग में केरल के कोट्टायम निवासी श्रीहरि की भी मौत हो गई। उनके पिता प्रदीप अपने 27 वर्षीय बेटे के हाथ पर बने टैटू से शव की पहचान कर पाए। वहीं कोल्लम निवासी लुकोस ने अपनी बड़ी बेटी के लिए एक मोबाइल फोन खरीदा था। वह फोन लेकर अगले महीने घर आने वाले थे। आग की लपटों से बचने के लिए साहसी फैसला लेते हुए वह पास स्थित पानी की टंकी पर कूद गए, जिससे उनकी जान बच गई। हालांकि, छलांग लगाने के कारण उनकी पसलियां टूट गईं और चोटें भी आईं। पास में रहने वाले रिश्तेदारों ने उन्हें तुरंत ढूंढ लिया और तत्काल चिकित्सा के लिए कुवैत के एक अस्पताल में ले गए। नलिनाक्षन के चाचा बालकृष्णन ने यहां एक समाचार चैनल को बताया कि हमें बुधवार को दिन में लगभग 11 बजे यह समाचार मिला। वह पानी की टंकी पर कूद गया था, लेकिन हिल नहीं पा रहा था। हमारे रिश्तेदारों ने उसे ढूंढा और तुरंत अस्पताल ले गए। उन्होंने बताया कि परिवार के लोग नलिनाक्षन से फोन पर ज्यादा बात नहीं कर सके, क्योंकि उसके मुंह से खून बह रहा था। बालकृष्णन ने कहा, चोटों के कारण हम नलिनाक्षन से ज्यादा बात नहीं कर पाए हैं। उसकी सर्जरी की जाएगी और हम थोड़ी राहत महसूस कर रहे हैं, क्योंकि वहां एक अच्छे अस्पताल में उसका इलाज किया जा रहा है। कुवैत में एक बहुमंजिला इमारत में लगी भीषण आग में केरल के कोट्टायम निवासी श्रीहरि की भी मौत हो गई। उनके पिता प्रदीप अपने 27 वर्षीय बेटे के हाथ पर बने टैटू से शव की पहचान कर पाए। प्रदीप ने बताया कि कुवैत के अधिकारियों ने उन्हें अस्पताल के शवगृह में रखे एक शव की पहचान करने के लिए बुलाया था, जिसमें उन्होंने बेटे के हाथ पर बने टैटू से उसकी पहचान की।

सीआईआई अध्यक्ष ने की पेट्रोलियम पदार्थ व बिजली को जीएसटी के दायरे में लाने की मांग

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। 22 जून को होने वाली जीएसटी काउंसिल की बैठक से पहले औद्योगिक संगठन सीआईआई के नवनियुक्त अध्यक्ष संजीव पुरी ने कहा है कि समय आ गया है कि अब पेट्रोल-डीजल

के दाम को भी जीएसटी के दायरे में लाया जाए। इसके साथ ही उन्?होंने बिजली और रियल एस्टेट जैसे आइटम को जीएसटी के दायरे में लाए जाने की बात कही। पुरी ने यह भी कहा कि अब पेट्रोलियम उत्पाद, बिजली और रियल एस्टेट जैसे आइटम को जीएसटी के दायरे में लाने का समय आ गया है। जीएसटी दरों के स्लैब को कम करके तीन किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि विकसित राष्ट्र के निर्माण के लिए फिजिकल इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण के साथ मानव पूंजी (ह्यूमन कैपिटल) के सृजन की आवश्यकता है। इस वास्ते शिक्षा पर होने वाले खर्च को अगले तीन साल में जीडीपी के 4.4 प्रतिशत तक ले जाना होगा जो अभी तीन प्रतिशत के पास है। सीआईआई के मुताबिक चालू वित्त वर्ष में कृषि और सर्विस सेक्टर का प्रदर्शन गत वित्त वर्ष 2022-23 से भी बेहतर रहेगा, लेकिन औद्योगिक उत्पादन में पिछले वित्त वर्ष से कमी आ सकती है। गत वित्त वर्ष में कृषि सेक्टर की विकास दर 1.4 प्रतिशत थी जो चालू वित्त वर्ष में 3.7 प्रतिशत रहने का अनुमान है। सर्विस सेक्टर में चालू वित्त वर्ष में 9.0 प्रतिशत की दर से बढ़ोतरी हो सकती है। पिछले वित्त वर्ष में यह दर 7.9 प्रतिशत थी। वहीं औद्योगिक उत्पादन की विकास दर गत वित्त वर्ष के 9.3 प्रतिशत के बजाए चालू वित्त वर्ष में 8.4 प्रतिशत रह सकती है। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि बड़ी जनसंख्या वाले देश भारत में टैक्स की दर को कम रखकर भी अधिक राजस्व का संग्रह किया जा सकता है। आर्थिक विशेषज्ञों के समूह थिंक चेंज फोरम (टीसीएफ) की तरफ से विकसित राष्ट्र बनने के लिए प्रगतिशील कराधान व्यवस्था पर आयोजित चर्चा में यह बात सामने आई कि सरकार को टैक्स दर की जगह टैक्स से मिलने वाले राजस्व पर फोकस करना चाहिए।

सरकार के पास गेहूं का पर्याप्त स्टॉक, आयात शुल्क में बदलाव की योजना नहीं

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। खाद्यान्न की बढ़ती कीमतों और महंगाई पर नियंत्रण

के लिए केंद्र सरकार पैनी नजर रख रही है। सरकार की ओर से आश्वस्त किया गया है कि घरेलू जरूरतों को पूरा करने एवं कीमतों को स्थिर रखने के लिए गेहूं समेत अन्य अनाजों का पर्याप्त भंडार है। जरूरत पड़ी तो बाजार में हस्तक्षेप के लिए भी सरकार तैयार है। सरकार की ओर से आश्वस्त किया गया है कि घरेलू जरूरतों को पूरा करने एवं कीमतों को स्थिर रखने के लिए गेहूं समेत अन्य अनाजों का पर्याप्त भंडार है। जरूरत पड़ी तो बाजार में हस्तक्षेप के लिए भी सरकार तैयार है। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि अभी उसका गेहूं के आयात शुल्क में बदलाव करने का इरादा नहीं है। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि अभी उसका गेहूं के आयात शुल्क में बदलाव करने का इरादा नहीं है। उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने गुरुवार को बयान जारी कर कहा है कि गेहूं के बाजार मूल्य पर बारीकी से नजर रखी जा रही है। सुनिश्चित किया जा रहा है कि जमाखोरी न हो और कीमतें स्थिर रहे। रबी विपणन सत्र वर्ष 2024 के दौरान 11.2 करोड़ टन गेहूं का उत्पादन हुआ है। साथ ही भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) ने 11 जून तक लगभग 2.66 करोड़ टन अनाज खरीदा है। केंद्र की सार्वजनिक वितरण प्रणाली एवं अन्य कल्याणकारी योजनाओं के लिए लगभग 1.84 करोड़ टन की आवश्यकता है। इसे पूरा करने के बाद भी बफर स्टॉक में अधिशेष अनाज रहेगा। जरूरत पड़ी तो बिक्री के लिए बाजार में उतारा जा सकता है। केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया है कि गेहूं का स्टाक कभी भी मानदंडों से नीचे नहीं गया है। बफर स्टॉक को देखते हुए गेहूं के आयात पर शुल्क संरचना को बदलने का फिलहाल कोई प्रस्ताव नहीं है।

सिक्किम के सीएम की पत्नी ने दिया विधायक पद से इस्तीफा, एक दिन पहले ही ली थी शपथ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

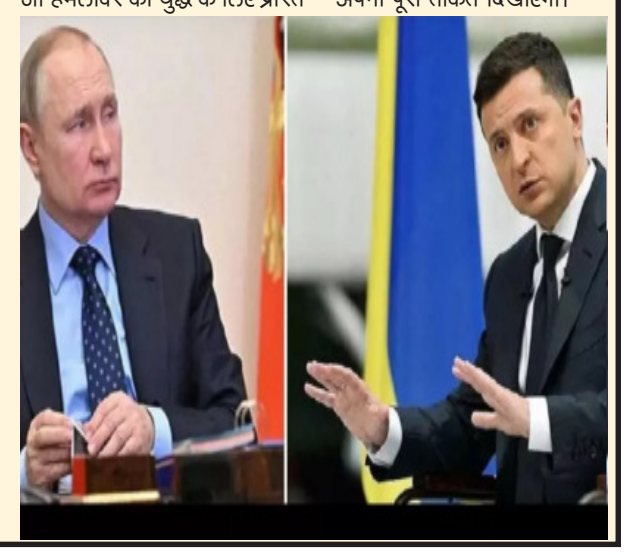

गंगटोक। सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तामांग की पतने कृष्ण कुमारी राई ने शपथ ग्रहण करने

के एक दिन बाद विधायक पद से त्याग-पत्र दे दिया। वह नामची-सिंगीथांग से चुनाव जीती थीं। बुधवार को ही विधायकों का शपथ ग्रहण समारोह हुआ था। त्याग-पत्र देने के कारणों को लेकर तामांग ने कहा कि सिक्किम क्रन्तिकारी मोर्चा (एसकेएम) के समर्पित पार्टी कार्यकर्ताओं को मौका देने के लिए यह कदम उठाया गया है। शीघ्र ही ने कहा कि सिक्किम क्रन्तिकारी मोर्चा (एसकेएम) के समर्पित पार्टी कार्यकर्ताओं को मौका देने के लिए यह कदम उठाया गया है सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तामांग की पतने कृष्ण कुमारी राई ने शपथ ग्रहण करने के एक दिन बाद विधायक पद से त्याग-पत्र दे दिया। वह नामची-सिंगीथांग से चुनाव जीती थीं। बुधवार को ही विधायकों का शपथ ग्रहण समारोह हुआ था। त्याग-पत्र देने के कारणों को लेकर तामांग वहां के लिए किसी बेहतरीन उम्मीदवार का नाम घोषित करेंगे। मुख्यमंत्री तामांग भी दो क्षेत्रों से विधायक चुनाव गए हैं। एक क्षेत्र से वह भी त्याग-पत्र देंगे। जल्द ही दोनों सीटों पर उपचुनाव कराया जा सकता है कृष्ण कुमारी राई ने सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट (एसडीएफ) के बिमल राई को हराया था। उन्हें 5302 वोट मिले थे। नामची-सिंगीथांग विधानसभा क्षेत्र कभी पूर्व मुख्यमंत्री पवन कुमार चामलिंग का गढ़ हुआ करता था इस बार कृष्ण कुमारी राई के लड़ने की घोषणा होने के बाद चामलिंग ने सीट बदल ली थी। प्रेम सिंह तामांग राज्य की 32 में से 32 सीटों पर जीतने का लक्ष्य लेकर चल रहे थे। इसीलिए उन्होंने इस प्रतिष्ठित सीट से अपनी पतने को उम्मीदवार बनाया था।

'2025 तक देश के हर जिले में 50 स्लीपर सेल तैयार करने की थी साजिश'

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट (घ्ए) के मॉड्यूल को

ध्वस्त करने की दिशा में कदम उठाते हुए एनआईए ने आईएस के बेल्लारी मॉड्यूल में शामिल सात आतंकियों के खिलाफ गुरुवार को आरोपपत्र दाखिल किया। आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट (घ्ए) के मॉड्यूल को ध्वस्त करने की दिशा में कदम उठाते हुए एनआईए ने आईएस के बेल्लारी मॉड्यूल में शामिल सात आतंकियों के खिलाफ गुरुवार को आरोपपत्र दाखिल किया। स्लीपर सेल के तौर पर काम करने के लिए युवाओं को मुजाहिदीन के रूप में भर्ती करने और कट्टरपंथी बनाने का आरोप इन आतंकियों पर लगाया गया है। स्लीपर सेल के तौर पर काम करने के लिए युवाओं को 'मुजाहिदीन' के रूप में भर्ती करने और कट्टरपंथी बनाने का आरोप इन आतंकियों पर लगाया गया है। इन आतंकियों में से छह ने सह-आरोपित मोहम्मद सुलेमान उर्फ मिनाज से 'बायथ' (वफादारी की शपथ) ली थी। सुलेमान ने खुद को समूह का अमीर घोषित किया था। एनआईए ने कहा कि आतंकी 2025 तक भारत के प्रत्येक जिले में 50 स्लीपर सेल तैयार करने की आईएस की साजिश में शामिल थे। स्लीपर सेल को भारतीय सैनिकों, पुलिसकमिर्यों और धार्मिक संगठनों के नेताओं पर गुरिल्ला हमले के लिए तैयार किया जा रहा था।

दालों की खरीद गारंटी योजना लाएगी सरकार, मोदी 3.0 में कृषि क्षेत्र की प्राथमिकता होगी दाल में आत्मनिर्भरता

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। देश में दलहन एवं तेलहन की भारी कमी को देखते हुए खरीद गारंटी योजना लाने पर विचार किया जा रहा है। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राजग की लगातार तीसरी सरकार की कृषि क्षेत्र की प्राथमिकता दाल में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने की होगी। देश में दालों की कमी को फिलहाल दो तरीके से दूर करने का प्रयास किया जा रहा है। तत्काल जरूरतों को पूरा करने के लिए आयात का विकल्प तो खुला रहेगा किंतु स्थायी समाधान के लिए दाल की खेती का रकबा बढ़ाकर उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि पर जोर रहेगा। कृषि मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि शीर्ष स्तर पर चर्चा के दौरान बात आई कि 100 दिन के एजेंडे के तहत ऐसी नीति की ओर बढ़ना है जिसके माध्यम से देश में अरहर एवं उड़द दाल की उपज बढ़ाई जा सके। दालों की वर्तमान जरूरतों को पूरा करने के लिए उपाय किए जा रहे हैं। एक दशक में दलहन की उपज में 60 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। भारत दाल का दुनिया में सबसे बड़ा उत्पादक, उपभोक्ता एवं आयातक है। किंतु घरेलू जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रत्येक वर्ष

लगभग 20 से 26 लाख टन दाल का आयात करना पड़ता है। कृषि एवं किसान मंत्रालय की जिम्मेवारी संभालने के बाद मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दलहन एवं तेलहन की कमी को चुनौती की तरह लिया है। लगातार तीन दिनों से अधिकारियों के साथ बैठक कर रहे हैं। किसानों की जरूरतों को समझ रहे हैं। उन्होंने महसूस किया कि देश में सबसे ज्यादा मांग अरहर दाल की है। कृषि मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि शीर्ष स्तर पर चर्चा के दौरान बात आई कि 100 दिन के एजेंडे के तहत ऐसी नीति की ओर बढ़ना है जिसके माध्यम से देश में अरहर एवं उड़द दाल की उपज बढ़ाई जा सके। किसानों को धान और गेहूं की परंपरागत खेती से अलग करके दलहन की खेती के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। साथ ही उत्पादन के बाद न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर पूरी उपज की खरीद सुनिश्चित की जा सके। ऐसा करने पर दाल की खेती के लिए किसान प्रेरित होंगे। आयात घटाने के लिए प्रोत्साहन योजना लाने के साथ-साथ दूसरे देशों में कांट्रैक्ट फार्मिंग के विकल्पों पर भी विचार किया जा सकता है। शिवराज सिंह चौहान से कृषि क्षेत्र को बड़ी उम्मीद है। इसलिए कि मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री रहते हुए उन्होंने इस क्षेत्र में बेहतर काम किया है। सूत्रों के मुताबिक दलहन एवं तिलहन उत्पादन प्रोत्साहन योजना तैयार है।

देश की सेनाएं हर चुनौती के लिए तैयार', रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बताया क्या होगा अगले पांच साल का रोड मैप

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लगातार दूसरी बार कार्यभार संभालने के बाद कहा कि नई सरकार राष्ट्रीय सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित करेगी। इसके लिए सशस्त्र सेनाओं का आधुनिकीकरण और घरेलू रक्षा उत्पादन बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लगातार दूसरी बार कार्यभार संभालने के बाद कहा कि नई सरकार राष्ट्रीय सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित करेगी।अगले पांच साल के अपने नजरिये पर रोशनी डालते हुए कहा कि सरकार वर्ष 2028-29 तक अपना रक्षा निर्यात बढ़ाकर 50 हजार करोड़ रुपये करने की दिशा में काम कर रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारा उद्देश्य देश के सुरक्षा उपकरणों को और सशक्त बनाना होगा। उन्होंने अगले पांच साल के अपने नजरिये पर रोशनी डालते हुए कहा कि सरकार वर्ष 2028-29 तक अपना रक्षा निर्यात बढ़ाकर 50 हजार करोड़ रुपये करने की दिशा में काम कर रही है। यह रक्षा निर्यात फिलहाल 21,083 करोड़ रुपये है, जो कि ऐतिहासिक है। लगातार दूसरी बार रक्षा मंत्री का पदभार ग्रहण करने के बाद

गुरुवार को उन्होंने संवाददाताओं को बताया कि सशस्त्र सेनाओं को अत्याधुनिक हथियारों से लैस किया जा रहा है। वह हरेक चुनौती का सामना करने को तैयार हैं। चीन के पूर्वी लद्दाख में दखलअंदाजी करने के सवाल पर उन्होंने कहा कि सैन्य अफसर देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता का बड़ी बहादुरी और प्रतिबद्धता से मुकाबला कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि भारत के रक्षा पैमाने पर हिंद महासागर क्षेत्र के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए सिंह ने फैसला किया है कि वह अपने दूसरे कार्यकाल में विशाखापत्तनम स्थित ईस्टर्न नेवल कमांड जाएंगे और वहां अधिकारियों और नाविकों से मिलेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारा उद्देश्य देश के सुरक्षा उपकरणों को और सशक्त बनाना होगा। साथ ही रक्षा निर्माण के क्षेत्र में भी ध्यान केंद्रित करना होगा। राजनाथ सिंह ने सौ दिन की कायर्योजना पर भी मंत्रालय की बैठक की। उनका स्वागत रायसीना हिल्स के साउथ ब्लाक में सीडीएस जनरल अनिल चौहान, सेना प्रमुख मनोज पांडेय, वायुसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी, रक्षा सचिव गिरिधर अर्माने और डीआरडीओ अध्यक्ष समीर वी.कामत ने किया।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से पहले पीएम मोदी ने शेयर किए 'आसन'

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को एक 'आसन' का एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें कहा

गया कि यह अधिक ताकत सुनिश्चित करने में मदद कर सकता है। पीएम मोदी ने सभी से योग को अपने जीवन का अभिनन्‍ अंग बनाने का आग्रह किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को एक आसन का एक वीडियो पोस्ट किया जिसमें कहा गया कि यह अधिक ताकत सुनिश्चित करने में मदद कर सकता है। पीएम मोदी ने सभी से योग को अपने जीवन का अभिनन्‍ अंग बनाने का आग्रह किया। पीएम मोदी ने एक्स पर कहा कि ताड़ासन शरीर के लिए बहुत अच्छा है। यह अधिक मजबूती और बेहतर स्वास्थ्य को सुनिश्चित करेगा। पीएम मोदी ने एक्स पर कहा कि ताड़ासन शरीर के लिए बहुत अच्छा है। यह अधिक मजबूती और बेहतर स्वास्थ्य को सुनिश्चित करेगा। उन्होंने आसन करते हुए एक एआइ जनरेटेड वीडियो भी साझा किया है। उन्होंने मंगलवार को लोगों से योग को अपने जीवन का अभिनन्‍ अंग बनाने की प्रतिबद्धता दोहराने और दूसरों को भी ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित करने का आग्रह किया था। पीएम ने कहा कि जैसे-जैसे योग दिवस नजदीक आ रहा है, मैं वीडियो का एक सेट साझा कर रहा हूं, जो विभिनन्‍ आसन और उनके लाभों पर मार्गदर्शन प्रदान करेगा। मुझे उम्मीद है कि यह आप सभी को नियमित रूप से योग का अभ्यास करने के लिए प्रेरित करेगा।

मिर्ज़ापुर सोनभद्र

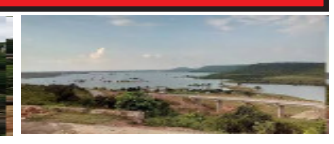

काशीराम आवास में पानी की समस्या को लेकर लोगों ने किया प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

चोपन सोनभद्र। आदर्श नगर पंचायत चोपन के काशीराम आवास में शुक्रवार को सुबह पानी न आने से नाराज आवास में रहने वाली दर्जनों महिलाएं एवं पुरुषों ने आवास के बाहर खड़े होकर किया प्रदर्शन अवास में रहने वाली महिलाओं की मान्यता तकरीबन डेढ़ वर्ष लगातार पानी की किलत से जूझ रही है महिलाएं। महिलाओं का आरोप है कि जब भी पेयजल पानी की समस्या को लेकर नगर पंचायत अध्यक्ष या अधिशासी अधिकारी को सूचना दी जाती है तो वह टालमटोल करने का प्रयास करते है साथी कई बार दूषित पानी का टैकर लाकर आवास में खड़ा कर दिया जाता है जिसे लेकर स्थानीय लोगों में खासा आक्रोश है और वह कह रही है की नदी का पानी पीकर क्या हम आवास के लोगों का जीवन बसर हो पाएगा शुद्ध पानी को तरसती महिलाओं ने कहा कि हम गरीब है हमें सुबह ही लोगों के घरों में काम करने जाना पड़ता है ऐसे में पानी न होने के कारण न ही भोजन बन पाता है ना ही सनन और ना ही कुछ और जिससे घरों में छोटे बच्चों को जहां भोजन की समस्या होती है तो वहीं दूसरी ओर बुजुर्गों एवं महिलाओं को सुबह घर से निकलना मुश्किल होता जा रहा क्योंकि वह काफी दूर से तथा नदियों से पानी लाकर अपनी आजीविका का प्रबंध करते हैं।

खरीफ रोपाई के लिए उपलब्ध कराए पानी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

मीरजापुर। 13 जून, 2024- जनपद में खरीफ सीजन के लिए किसानों को सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराने के दृष्टिगत जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन की अध्यक्षता में कृषि विभाग एवं सिंचाई विभाग के अधिकारियों के साथ खरीफ फसल की सिंचाई हेतु रोस्टर एवं बांध में जल स्तर की कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आहूत की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने ब्लाक बार खरीफ की रोपाई एवं पानी की उपलब्धता के संबंध में समीक्षा की गई। बैठक में उपनिदेशक कृषि डॉ विकेश पटेल ने जिलाधिकारी को बताया कि जनपद में सामान्यतः 20 से 22 जून 2024 तक नर्सरी की बुवाई एवं 10 जुलाई से 25 जुलाई 2024 तक धान की रोपाई की जाती है। जिलाधिकारी द्वारा अधिशासी अभियंता लघु डाल मीरजापुर एवं सिरसी प्रखंड चुनार को निर्देशित किया गया कि उपरोक्त समयानुसार खरीफ फसल के लिए पानी की उपलब्धता बनाए रखी जाए तथा नहरों के संचालन के लिए रोस्टर की जानकारी किसानों को भी पहले से दी जाए। तत्पश्चात जिलाधिकारी द्वारा जल जीवन मिशन योजना के तहत हर घर नल से जल की भी समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित करते हुए कहा कि घरों में दिए गए कनेक्शन के सत्यापन के लिए ग्राम प्रधानों पर अनावश्यक रूप से दबाव न बनाया जाए। उन्होंने सभी कार्य संस्थाओं को निर्देशित करते हुए कहा कि गुणवत्तापूर्ण कार्य करते हुए प्रत्येक घरों में पानी पहुंचाना सुनिश्चित करें। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी विशाल कुमार, अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे देवेंद्र प्रताप सिंह, उपनिदेशक कृषि डॉ विकेश पटेल, जिला कृषि अधिकारी अवधेश कुमार यादव सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

भीषण गर्मी व लू से प्रदेश में विद्युत की मांग ऐतिहासिक रूप से बढ़ी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

लखनऊ । प्रदेश में भीषण गर्मी और लू के कारण विद्युत की मांग ऐतिहासिक रूप से बढ़ी है। बढ़ी हुई विद्युत की मांग को ऊर्जा विभाग प्रधानमंत्री के आशीर्वाद एवं मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में उर्जा विभाग के कुशल प्रबधंन एंव विद्युत कार्मिकों के कर्तव्यपरायणता की बदौलत प्रदेश ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि को प्राप्त किया है और हम इस समय प्रदेश के इतिहास की सर्वाधिक विद्युत आपूर्ति कर रहे है। उन्होंने कहा कि विगत दो वर्षों से ऊर्जा के क्षेत्र में नये रिकार्ड बन रहे है और शीघ्र ही पूरे प्रदेश को रोस्टर फ्री 24x7 विद्युत की आपूर्ति मिलेगी।ऊर्जा मंत्री ने बताया कि वर्तमान में पूरे प्रदेश में 24 घंटे विद्युत की औसत आपूर्ति की गयी। इसमें औद्यौगिक क्षेत्रों, महानगरों, मण्डल व जिला मुख्यालयों, तहसील मुख्यालयों, बुन्देलखण्ड क्षेत्र, नगर पंचायतों आदि में 24 घंटे आपूर्ति की गयी। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में भी 23.55 घंटे की विद्युत आपूर्ति की गयी। प्रदेशवासियों को निर्बाध विद्युत आपूर्ति मिलें, इसके लिये विगत दो वर्षों से विद्युत ढांचे को सुदृढ़ करने, उपकेन्द्रों और ट्रांसफार्मर्स की क्षमता बृद्धि का कार्य किया जा रहा है, जहां कहीं पर भी जर्जर पोल और केबल विद्युत आपूर्ति में बाधक बन रही है उसे बदला जा रहा है। उपभोक्ताओं को मांग के अनुरूप निर्बाध विद्युत आपूर्ति मिले, इसके प्रयास किये जा रहे। ऊर्जा विभाग की बेहतर कार्यप्रणाली, कुशल प्रबंधन तथा विद्युत कार्मिकों की कार्यी के प्रति लगन एवं निष्ठा की बदौलत पूरे प्रदेश को 24 घंटे विद्युत की आपूर्ति करने में सफलता मिली है। अभी भी जहां कहीं से भी स्थानीय दोषों के कारण विद्युत व्यवधान की शिकायतें मिल रही, उसका शीघ्र निदान ही नहीं किया जा रहा, बल्कि समस्या आगे न हो, उसका जड़ से ही निदान करने का प्रयास किया जा रहा है। इसमें जनप्रतिनिधियों, उपभोक्ताओं तथा विशेषज्ञों की भी सलाह लेकर विद्युत व्यवस्था को सुदृढ़ करने का कार्य किया जा रहा है।ऊर्जा मंत्री ने प्रदेशवासियों, उपभोक्ताओं तथा विद्युत कार्मिकों को इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए बधाई दी है और निर्बाध विद्युत आपूर्ति बहाल करने में कार्मिकों के कठोर परिश्रम की सराहना भी की है। उन्होंने विद्युत कार्मिकों को निर्देशित किया है कि पूरे समर्पण के साथ एवं कर्तव्यनिष्ठ होकर उपभोक्ताओं की सेवा करें, जिससे जल्द ही प्रदेश को विद्युत आपूर्ति में ही नहीं बल्कि उपभोक्ता सेवा के क्षेत्र में भी पूरे देश में प्रदेश को अग्रणी स्थान मिले।

अल्पकालीन निवदिा/सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत परासी पाण्डेय मे वित्तीय वर्ष 2024/25 मे जीआरजीएफ/जिला योजना अन्तर्गत कराये जाने वाले कार्य मनरेगा/पंचम राज्य वित्त/पन्दहवां वित्त एवं अन्य निधियों द्वारा प्राप्त धनराशि से निर्माण कराये जाने हेतु व्यापारकर विभाग आयकर मे पंजीकृत फर्मो के द्वारा ग्राम पंचायत परिधि के अन्दर निम्न विवरणानुसार कार्यस्थल पर सामग्री आपूर्ति कराने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता फर्म के लेटर पैड पर दिनांक 19/06/2024 से 27/06/2024 तक ग्राम पंचायत कार्यालय पर सीलबन्द निविदा जमा कर सकते है। जिसे दिनांक 28/06/2024 को 04:00 बजे तक समिति टेण्डर दाताओं जो उपस्थित रहना चाहते है के समक्ष खोला जायेगा

क्रंम संख्या विवरण मात्रा- 1. ईट प्रथम श्रेणी प्रति हजार 2. इण्टर लाकिंग ईट प्रतिनग . मोटा बालू महीन बालू प्रति घन मीटर 4. मोरंग प्रति घन मीटर 5. सीमेन्ट प्रतिबोरी 6. गिट्टी सोलिंग 40-90/40-60/45-90 एम,एस, घन मीटर 7. डाला गिट्टी सभी साइज प्रति घनमीटर 8. सरिया प्रति कुन्तल 9. हैण्डपंप/रिबोर सामग्री प्रतिनग 10. जे0सीबी0/ कम्प्रेसर/मिक्सर मशीन प्रति घण्टा, 11. बोल्डर ढोका 6.9 इंच प्रतिनग, 12 ह्यूम पाइप प्रति घन मीटर, 13. फावडा गोडता तगाडी पन्नी-प्रति कुन्तल, 14 स्टीट लाईट/वायरिंग सामग्री, सोलर लाइट पैनल सहित प्रतिनग, 15 शौचालय दरवाजा सीट पत्थर प्रतिनग, 16 टाइल्स प्लास्टिक सीट पेन्ट डिस्टेम्पर प्राइमर पाउण्डर आदि प्रतिनग, 17 पानी टैकर/ समरसेबुल अदद, 18 लोहे का दरवाजा/एल्युमिनियम का दरवाजा रिबोर से संबंधित सामग्री 22 स्वछता संबंधित किट, 23 आरओ प्लॉट, सोलर पंप , टाइल्स अन्य समाग्री आवश्यकतानुसार।

प्रतिबंध एवं शर्ते- 1.निविदा मे सम्मिलित दरें सभी कर सहित एवं लोक निर्माण विकास को स्वीकृत दर से अधिक नही होनी चाहिए। 2.कार्य विवरण एवं सामग्री संबंधित जानकारी किसी भी कार्य दिवस मे प्राप्त की जा सकती है। सामग्री की आपूर्ति कार्य स्वीकृत होने के उपरान्त की जायेगी तथा सामग्री कार्य स्थल तक पहुंचाने की जिम्मेदारी संबंधित फर्म का होगा। 3.निविदा से संबंधित अन्य जानकारी प्राप्ति हेतु ग्राम पंचायत कार्यालय में संपर्क कर सकते है। खराब आपूर्ति की दशा मे जमानत की राशि जप्त कर ली जायेगी। 4.सशर्त निविदा स्वीकार नही की जायेगी। 5. बिना कारण किसी भी समय निविदा निरस्त करने का अधिकार अयोहस्ताक्षरों का होगा। 6.जमानत धनराशि 20000/- है। 7.निविदा फार्म का मूल्य 500 है।

ग्राम प्रधान/ग्राम विकास अधिकरी
ग्राम पंचायत- परासी पाण्डेय
विकास खण्ड- रार्बट्सगंज जिला-सोनभद्र

स्पोर्ट्स

भारत ने शान से सुपर-8 में की एंट्री

इंग्लैंड और ओमान के मैच में लगी रिकॉर्ड्स की झड़ी, आदिल राशिद ऐसा करने वाले बने दूसरे अंग्रेज गेंदबाज

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। इंग्लैंड ने शुक्रवार, 14 जून को टी20 वर्ल्ड कप 2024 के ग्रुप-सी मैच में ओमान को 8 विकेट से हरा दिया। सुपर-8 में पहुंचने की उम्मीदों को जिंदा रखने के लिए इंग्लैंड को इस जीत की जरूरत थी। जोस बटलर ब्रिगेड ने आकिब इलियास एंड कंपनी को 3.1 ओवर लिया। इस जीत के साथ ही इंग्लैंड और ओमान ने कई रिकॉर्ड अपने नाम दर्ज किए। ओमान पहले बल्लेबाजी करते हुए 13.2 ओवर में मात्र 47 रन पर ढेर हो गई। आदिल राशिद ने 4 विकेट चटकाए जबकि जोफ्रा आर्चर और मार्क वुड को तीन-तीन विकेट मिले। लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड ने 3.1 ओवर में ही मैच जीत लिया। इस बड़ी जीत से इंग्लैंड का नेट रन रेट ₹3.081 हो गया है। सुपर-8 में पहुंचने की उम्मीद अभी जिंदा बची है इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया।

ओमान पहले बल्लेबाजी करते हुए 13.2 ओवर में मात्र 47 रन पर ढेर हो गई। आदिल राशिद ने 4 विकेट चटकाए, जबकि जोफ्रा आर्चर और मार्क वुड को तीन-तीन विकेट मिले। लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड ने 3.1 ओवर में ही मैच जीत लिया। इस बड़ी जीत से इंग्लैंड का नेट रन रेट ₹3.081 हो गया है। इंग्लैंड को अपने अंतिम ग्रुप मैच में नामीबिया को हराना होगा तथा सुपर-8 में जगह बनाने के लिए ऑस्ट्रेलिया से स्कॉटलैंड को हराने की भी उम्मीद करनी होगी। 101 - इंग्लैंड ने ओमान को हराकर टी20घ् में अपनी सबसे बड़ी जीत (101 गेंद शेष रहते) दर्ज की। उनकी पिछली सबसे बड़ी जीत (70 गेंद शेष रहते) दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में टी20 वर्ल्ड कप 2021 में वेस्टइंडीज के खिलाफ थी। 1 - ओमान पर इंग्लैंड की जीत टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में सबसे बड़ी (शेष गेंदों के हिसाब से) जीत है। इस मैच ने 10 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया, जब श्रीलंका ने 2014 में चटगांव में नीदरलैंड को 9 विकेट से हराया था, जबकि 90 गेंदें शेष थीं। इंग्लैंड बनाम ओमान मैच मेंस टी20घ् पारी की पहली दो गेंदों पर छक्के लगने का एकमात्र उदाहरण था। दूसरा उदाहरण फरवरी 2023 में स्पेन और आइल ऑफ मैन के बीच मैच में देखने को मिला था। 2 - आदिल राशिद ने टी20 अंतरराष्ट्रीय में किसी इंग्लिश गेंदबाज द्वारा तीसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन (4-0-11-1) दर्ज किया। सैम करन के नाम सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन (3.4-10-5) का रिकॉर्ड है और वह 5 विकेट लेने वाले एकमात्र गेंदबाज हैं। राशिद दूसरे स्थान पर हैं।

टी20 विश्व कप में 8 साल बाद शाकिब अल हसन के बल्ले ने उगली आग, विराट कोहली के बाद बने ये कारनामा करने वाले खिलाड़ी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। टी20 विश्व कप 2024 के 27वें मुकाबले में गुरुवार को बांग्लादेश का सामना नीदरलैंड्स

हो रहा है। इस मुकाबले में बांग्लादेश के स्टार ऑलराउंडर शाकिब अल हसन ने शानदार बलेबाजी की। इस दौरान उन्होंने टी20 इंटरनेशनल करियर का 13वां अर्धशतक भी लगाया। शाकिब ने 9 चौकों की मदद से 46 गेंदों पर नाबाद 64 रन बनाए। स्टार ऑलराउंडर की इस पारी की बदौलत बांग्लादेश ने 20 ओवर में 159 रन का स्कोर बनाया। ी20 विश्व कप 2024 के 27वें बांग्लादेश के ऑलराउंडर शाकिब अल हसन ने नीदरलैंड्स के खिलाफ अर्धशतक लगाया। शाकिब ने 9 चौकों की मदद से 46 गेंदों पर नाबाद 64 रन बनाए। स्टार ऑलराउंडर की इस पारी की बदौलत बांग्लादेश ने 20 ओवर में 159 रन का स्कोर बनाया। इस दौरान शाकिब ने कुछ रिकॉर्ड अपने नाम कर लिए हैं। मुकाबले में अर्धशतक लगाते ही शाकिब ने एक खास उपलब्धि अपने नाम की। उन्होंने टी20 विश?व कप में 8 साल बाद अर्धशतक लगाया है। इससे पहले उन्होंने 2016 में पाकिस्तान के खिलाफ नाबाद 50 रन बनाए थे। इसके अलावा शाकिब वनडे और टी20 विश्व कप में नॉन ओपनर बल्लेबाजों द्वारा दूसरे सर्वाधिक 50 स्कोर बनाने वाले बल्लेबाज भी बन गए हैं।

ओलिंपिक की तैयारी के लिए विंबलडन में नहीं खेलेंगे राफेल नडाल

लंदन । विश्व के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी राफेल नडाल आशा के मुताबिक विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लेंगे और इसके बजाय स्वीडन के बस्ताद में क्ले कोर्ट टूर्नामेंट में भाग लेकर पेरिस ओलिंपिक की तैयारी करेंगे। 22 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन नडाल ने गुरुवार को कहा कि वह आल इंग्लैंड क्लब के लिए घास के कोर्ट पर खेलने और फिर क्ले कोर्ट पर वापस आने की बजाय सिर्फ क्ले कोर्ट पर ही खेलना चाहते हैं। राफेल नडाल विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लेंगे। वह स्वीडन के बस्ताद में क्ले कोर्ट टूर्नामेंट में भाग लेकर पेरिस ओलिंपिक की तैयारी करेंगे। 22 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन नडाल ने गुरुवार को कहा कि वह आल इंग्लैंड क्लब के लिए घास के कोर्ट पर खेलने और फिर क्ले कोर्ट पर वापस आने की बजाय सिर्फ क्ले कोर्ट पर ही खेलना चाहते हैं। नडाल ने एक बयान में कहा, ठहमारा मानना है कि मेरे शरीर के लिए सबसे अच्छा यही है कि मैं सतह नहीं बदलूं।ठ ओलिंपिक के दौरान 27 जुलाई से रोलां गैरो पर टेनिस प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। यह फ्रेंच ओपन का आयोजन स्थल है, जहां नडाल ने रिकार्ड 14 खिताब जीते हैं। नडाल ओलिंपिक में कालीस अलकराज के साथ डबल्स और सिंगल्स वर्ग में खेलेंगे।

मैच में घटी सांस रोक देने वाली घटना, तंजीद हसन के हेलमेट में फंसी गेंद ना होती ग्रिल तो फूट सकती थी आंख

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। क्रिकेट के सबसे डरावने पलों में से एक टी20 वर्ल्ड कप 2024 के 27वें मैच में देखने को मिला, जब नीदरलैंड्स के खिलाफ बल्लेबाजी कर रहे तंजीद हसन के हेलमेट की ग्रिल में गेंद जा कर फंस गई। शुक्र रहा कि ग्रिल से गेंद छूटी नहीं, नहीं तो अनहोनी घटना हो सकती थी। इस सांस रोक देने वाली घटना का वीडियो अब तेजी से वायरल हो रहा है। बांग्लादेशी बल्लेबाज तंजीद हसन गुरुवार 13 जून को नीदरलैंड्स के खिलाफ टी20 वर्ल्ड कप 2024 के मैच के दौरान एक अजीबोगरीब घटना के शिकार हो गए। किंग्सटाउन के अनीस वेले ग्राउंड पर जब डच तेज गेंदबाज विवियन किंगमा की तेज बाउंसर तंजीद के हेलमेट के ग्रिल पर जा सभी तो फैंस की सांस एक पल के लिए रुक सी गई थी। टी20 वर्ल्ड कप 2024 में बांग्लादेश और नीदरलैंड्स मैच में एक अजीबोगरीब घटना देखने को मिली। टॉस जीतकर नीदरलैंड्स ने बांग्लादेश को पहले बल्लेबाजी करने का न्योता दिया था। नजमुल हसन शांतो और तंजीद हसन ने पारी की शुरूआत की। बांग्लादेश की पारी का तीसरा ओवर विवियन किंगमा करने आए। उनकी एक शानदार बाउंसर गेंद की। गेंद तंजीद के हेलमेट की ग्रिल पर लगी और आश्चर्यजनक रूप से गेंद ग्रिल में ही फंस गई और बड़ा हादसा टल गया तंजीद हसन ने बिना देरी किए हेलमेट उतारा और इस बीच मेडिकल टीम भी ग्राउंड पर आ गई। प्रोटोकॉल के तहत तंजीद की जांच की गई और उनकी आंखों को भी चेक किया गया। सौभाग्य से उनको कोई गंभीर चोट नहीं आई और मेडिकल टीम ने उन्हें खेल जारी रखने की अनुमति दी। तंजीद ने 26 गेंद में 35 रन की पारी खेली, इस दौरान 5 चौके और एक छक्का लगाया। मैच की बात करें तो बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 159/5 का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया।

नेट रन रेट बिगाड़ सकता है कई टीमों का खेल, जानिए इसे कैसे कैलकुलेट करते हैं

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। टी20 विश?व कप 2024 में नेट रन रेट निर्णायक साबित हो सकता है। ग्रुप ए में पाकिस?तान टीम ने 3 में से 1 मैच जीता है। दूसरी ओर अमेरिका ने 3 में से 2 मैच में जीत दर्ज की है और उनके 4 अंक हैं। अगर पाकिस?तान टीम ग्रुप स?टेज के अपने आखिरी मैच में आयरलैंड को हरा देती है, दूसरी ओर अमेरिका आयरलैंड से हार जाती है तो बाबर आजम की टीम और मेजबान ळर्ईं के 4-4 अंक होंगे। इस कंडीशन में बेहतर नेट रन रेट वाली टीम सुपर 8 में जगह बनाएगी। तो यह नेट रन रेट कैसे कैलकुलेट किया जाता है, आइए जानते हैं। टी20 विश?व कप 2024 में नेट रन रेट निर्णायक साबित हो सकता है। कई टीमों के अंक बराबर होंगे। ऐसे में सुपर 8 में वही टीम जाएगी जिसका नेट रन रेट बेहतर होगा। तो सवाल उठता है कि यह नेट रन रेट क?या होता है और इसे कैसे निकालते हैं। इसे कैलकुलेट करने का तरीका बहुत ही आसान है नेट रन रेट की शुरुआत साल 1992 में हुई थी। किसी मैच में किसी टीम द्वारा प्रति ओवर बनाए गए रनों की औसत संख्या से उस टीम द्वारा प्रति ओवर दिए गए रनों की संख्या को माइनस कर नेट रन रेट निकाला जाता है। मुकाबले में टीम के रन रेट को विरोधी टीम के रन रेट से घटाकर किसी एक टीम का नेट रन रेट कैलकुलेट किया जाता है उदाहरण के लिए मैच में भारतीय टीम ने 20 ओवर में 200 रन बनाए और पाकिस?तान टीम 20 ओवर में 180 रन ही बना सकी। तो इस मैच में भारतीय टीम का नेट रन रेट- 200/20 (10) - 180/20 (9)¸ ₹1 होगा। साथ ही पाक टीम का नेट रन रेट -1 होगा। अगर कोई टीम तय ओवर से पहले सिमट जाती है।

'वो एटीट्युड था', धाकड़ क्रिकेटर ने भारतीय टीम के खिलाड़ी को दिया बेस्ट फील्डर का अवॉर्ड

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। भारतीय टीम के ड्रेसिंग रूम का माहौल मैच के बाद देखने लायक रहता है। वनडे वर्ल?ड कप 2023 से इस प्रथा की शुरुआत हुई, जो मौजूदा टी20 वर्ल्ड कप में भी जारी है। मैच के बाद ड्रेसिंग रूम में बेस?ट फील?डर को चुना जाता है और फील्डिंग कोच सुनिश्चित करते हैं कि इसे बेहद क्रिएटिव अंदाज में दिया जाए। भारतीय टीम ने अमेरिका को सात विकेट से मात देकर टी20 वर्ल्ड कप 2024 के सुपर-8 में धांसू एंट्री की। रोहित शर्मा के नेतृत्व वाली भारतीय टीम ने अमेरिका को मात देकर जीत की हैट्रिक भी लगाई। मैच के बाद भारतीय टीम के ड्रेसिंग रूम में बेस्ट फील्डर का दावेदार चुना गया। इस अवॉर्ड को देने के लिए भारतीय ड्रेसिंग रूम में स्पेशल गेस्ट की एंट्री भी हुई। ऐसा ही कुछ अमेरिका के खिलाफ मैच के बाद भी देखने को मिला। फील्डिंग कोच ने धाकड़ क्रिकेटर को ड्रेसिंग रूम में आमंत्रित करके बेस्ट फील्डर को अवॉर्ड दिलाया। बता दें कि भारतीय टीम के फील्डिंग कोच टी दिलीप ने किसी और को नहीं बल्कि 2007 वर्ल्ड टी20 और 2011 वनडे वर्ल?ड कप चैंपियन युवराज सिंह को ड्रेसिंग रूम में आमंत्रित किया। पता हो कि युवराज सिंह इस समय टी20 वर्ल्ड कप के लिए अमेरिका में मौजूद हैं। युवराज सिंह को मौजूदा टी20 वर्ल्ड कप का ब्रांड एम्बेस्डर बनाया गया है। युवराज सिंह अपने जमाने के सर्वश्रेष्ठ फील्डरों में से एक थे और उनसे मेडल पाना किसी भी खिलाड़ी के लिए निश्चित ही गर्व का पल होगा। युवराज सिंह ड्रेसिंग रूम में आए और बेस?ट फील?डर के रूप में तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को चुना। सिराज ने अमेरिका के खिलाफ बाउंड्री लाइन पर अद्भुत कैच पकड़ा था। सिराज ने डीप मिड-विकेट पर नीतीश कुमार का लाजवाब कैच लपका था। युवी ने सिराज को मेडल पहनाया और शानदार फील्डिंग के लिए बधाई भी दी। मोहम्मद सिराज मेडल पाकर बहुत खुश हुए। उन्होंने कहा, ''बहुत स्पेशल फील हो रहा है। युवराज सिंह से मेडल मिला। मैं 2023 वनडे वर्ल्ड कप से इस मेडल को पाने को बेकरार था, लेकिन कभी मौका नहीं बन पाया। मैंने कैच लिया और मैच में अच्छी फील्डिंग भी की। मैं इस मेडल को पाकर बहुत खुश हूं।''बता दें कि मोहम्मद सिराज के अलावा इस मेडल को दावेदारों में विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत और सूर्यकुमार यादव भी शामिल थे। युवराज ने कहा, ''जब भी वो मैदान में हो तो सिर्फ उन कैच को नहीं पकड़े, रन आउट नहीं करे, लेकिन यह एटीट्युड है। हर बार जब वो मैदान में जाए तो एटीट्युड फर्क बनाता है।''बता दें कि भारतीय टीम ने अमेरिका को 10 गेंदें शेष रहते 7 विकेट से मात दी। न्यूयॉर्क के नसाउ काउंटी चैंपियनशिप इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में अमेरिका ने पहले बल्लेबाजी की और निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 110 रन बनाए। जवाब में भारत ने 18.2 ओवर में तीन विकेट खोकर लक्ष्य हासिल किया।

राशि फल

इस सप्ताह की शुरुआत प्रसन्नता के साथ होगी। लेकिन बातचीत में संवत रहें। शिक्षा से जुड़े काम पर ध्यान देने की आवश्यकता है। धैर्य रखना होगा। भागदौड़ बनी रहेगी।	इस सप्ताह आत्म संवत रहने की आवश्यकता है। मन परेशान रहेगा। गुस्सा पर नियंत्रण रखना होगा। परिवार का साथ मिलेगा। लाभ के	मन में आशा-निराशा बनी रहेगी। नकारात्मक विचारों से बचें। स्वास्थ्य का ध्यान रखने की आवश्यकता है। शत्रुओं पर विजय प्राप्त करेंगे। नौकरी में कार्यभार में बढ़ोतरी	सप्ताह के शुरूआत से वाणी में मधुरता रहेगी, लेकिन धैर्यशीलता बनाए रखने की कोशिश करें। शिक्षा से जुड़े कामों में सफलता मिलेगी। संतान के स्वास्थ्य का ध्यान रखना
सप्ताह के पहले दिन से मन में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। नौकरी में तरक्की मिलने की संभावना है। शासन सत्ता का योग बन रहा है। भवन सुख मिलेगा। शिक्षा से जुड़े काम में	इस सप्ताह कार्यक्षेत्र में मेहनत ज्यादा होगी। परिवार की जिम्मेदारी बढ़ेगी। नौकरी में कार्यभार बढ़ेगा। मन परेशान हो सकता है। स्वभाव में	नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा, स्थान परिवर्तन भी हो सकता है। वाणी में कठोरता का भाव रहेगा, बातचीत में संयत रहें। वस्त्रों	इस सप्ताह परिवार के साथ धार्मिक यात्रा के योग बन रहे हैं। माता का सहयोग भी प्राप्त होगा। आत्मविश्वास बहुत रहेगा। ज्यादा उत्साही होने से बचें।
नौकरी में तरक्की होने की संभावना है। आत्मविश्वास बढ़ेगा। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव बना रहेगा। मानसिक शांति रहेगी। गुस्सा पर काबू रखें।	परिवार में हंसी-खुशी का माहौल रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा। आत्मविश्वास बहुत रहेगा। नकारात्मक विचारों से बचाव	मन खुश रहेगा। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।	पारिवारिक जिम्मेदारी बढ़ सकती हैं। मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

एचएस प्रणय और समीर वर्मा आस्ट्रेलिया ओपन बैडमिंटन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

सिडनी । भारत के अनुभवी खिलाड़ी एचएस प्रणय और समीर वर्मा ने गुरुवार को यहां विपरीत अंदाज में जीत दर्ज करते हुए आस्ट्रेलिया ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के सिंगल्स क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। पांचवीं वरीयता प्राप्त प्रणय ने सिंगल्स के दूसरे दौर के मैच में इजराइल के मिशा जिल्बरमैन 46 मिनट में 21-17, 21-15 से पराजित किया, जबकि समीर को सिंगापुर के आठवें वरीय लोह कीन यूव को 21-14, 14-21, 21-19 से हराने के लिए एक घंटा ओर दो मिनट तक जूझना पड़ा। एचएस प्रणय और समीर वर्मा ने आस्ट्रेलिया ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के सिंगल्स क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। प्रणय शुक्रवार को अगले दौर में जापान के दूसरे वरीय कोडाई नारोआका से भिड़ेंगे जबकि समीर का सामना चीनी ताइपे के चुन यी लिन से होगा। सिंगल्स में भारत के एक अन्य खिलाड़ी किरण जार्ज को हालांकि जापान के सातवें वरीय केंटा निशिमोटो से 20-22 6-21 से हार का सामना करना पड़ा। प्रणय शुक्रवार को अगले दौर में जापान के दूसरे वरीय कोडाई नारोआका से भिड़ेंगे जबकि समीर का सामना चीनी ताइपे के चुन यी लिन से होगा। सिंगल्स में भारत के एक अन्य खिलाड़ी किरण जार्ज को हालांकि, जापान के सातवें वरीय केंटा निशिमोटो से 20-22, 6-21 से हार का सामना करना पड़ा। महिला वर्ग में आठवीं वरीयता प्राप्त आकर्षि कश्यप ने आस्ट्रेलिया की काई क्यू बर्निस तेओह को 21-16, 21-13 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया, जहां उनका मुकाबला चीनी ताइपे की तीसरी वरीयता प्राप्त यू पो पाई से होगा। स्अनुपमा उपाध्याय और मालविका बंसोड़ हालांकि महिला सिंगल्स में दूसरे दौर से बाहर हो गई। अनुपमा को इंडोनेशिया की छठी वरीयता प्राप्त पुत्री कुसुमा वर्दानी के विरुद्ध 11-21, 18-21 से जबकि मालविका को इंडोनेशिया की एक अन्य खिलाड़ी आठवीं वरीयता प्राप्त एस्टर नूरमी ट्राई वाडीयो के विरुद्ध 17-21, 21-23 से हार का सामना करना पड़ा।महिला डबल्स में पंडा बहनों रुतपर्णा और श्वेतपर्णा का सफर भी खत्म हो गया। सातवीं वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी पेई जिंग लाइ और चियू सीन लिम की मलेशियाई जोड़ी से 5-21, 9-21 से हार गईं। मिस्क्ड डबल्स में बी सुमित रेड्डी और एन सिक्की रेड्डी की आठवीं वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी ने आस्ट्रेलिया के काई चेन तेओह और काई क्यू बर्निस तेओह को 21-11, 21-11 से हराकर अंतिम आठ में प्रवेश किया।

सम्पादकीय

जल संकट: सियासत से नहीं बुझेगी दिल्ली की प्यास, टैंकर माफिया के सामने बेबस है सरकार

सियासत अपनी जगह है, पर टैंकर माफिया पर अंकुश लगाने में असमर्थ दिल्ली सरकार पानी के ट्रीटमेंट व स्टोरेज पर पूरी तरह ध्यान नहीं दे पा रही। वैसे तो मौसम की मार झेल रहे दिल्लीवासियों को हर साल भीषण गर्मी के दौरान पानी की भारी कमी से जूझना पड़ता है। लेकिन पिछले कुछ दिनों से दिल्लीवासी पानी की भारी किल्लत का सामना कर रहे हैं। दिल्ली की जल मंत्री आतिशी दिल्ली के जल संकट के लिए कभी दिल्ली के उपराज्यपाल को, तो कभी हरियाणा सरकार को दोषी ठहराती रहीं, तो वहीं उपराज्यपाल जल संकट के लिए पानी की चोरी और बर्बादी को मुख्य कारण बता रहे हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने टैंकर माफिया पर अंकुश लगाने में नाकाम रहने पर दिल्ली सरकार को कड़ी फटकार लगाई है और यह भी माना है कि इसी वजह से यह समस्या इतना विकराल रूप ले पाई है। अब जब हिमाचल साफ कह चुका है कि उसके पास दिल्ली को देने के लिए 136 क्यूसेक पानी नहीं है, शीर्ष अदालत ने यह कहते हुए दिल्ली को पानी देने का फैसला अपर रिवर यमुना बोर्ड पर छोड़ा है कि उसके पास जल बंटवारे के जटिल मुद्दे के समाधान की तकनीकी विशेषज्ञता नहीं है। सवाल यह भी है कि जब हरियाणा द्वारा दिल्ली को पूरा पानी दिया जा रहा है, तो दिल्ली पानी की किल्लत क्यों झेल रही है। दिल्ली वाले पानी के लिए क्यों तरस रहे हैं, मारामारी करने पर क्यों उतारू हैं? असलियत में यह सिलसिला दिल्ली में आप की सरकार के अस्तित्व में आने के साथ से ही लगातार जारी है। दिल्ली को हरियाणा से कुल 1,050 क्यूसेक पानी मिलना चाहिए। एक से 22 मई तक हरियाणा मुनक नहर के कैरियर लाइन नहर यानी सीएलसी में 719 क्यूसेक और दिल्ली सब ब्रांच यानी डीएसबी नहर में 350 क्यूसेक पानी छोड़ा गया था। मतदान के दो से तीन दिन पहले इसे 91 क्यूसेक तक कम कर दिया गया। जहां तक मुनक नहर की मरम्मत और रख-रखाव का सवाल है, इसका ठीकरा दिल्ली सरकार पर फोड़ना नितांत गलत है, क्योंकि नहर की मरम्मत और उसके रख-रखाव का जिम्मा हरियाणा सरकार के सिंचाई विभाग का है। हकीकत में मुनक नहर से पानी बवाना लाया जाता है। बवाना से पहले यदि पानी की चोरी होती है, तो इसके लिए हरियाणा सरकार जिम्मेदार है। यह तो रही दूसरे राज्यों से पानी आने, न आने की बात। कम पानी आने से वजीराबाद जलाशय का स्तर सामान्य से पांच फीट नीचे आ जाना खतरे का संकेत है। दिल्ली में जगह-जगह लोगों के लिए लगाए गए वाटर एटीएम की बात करें, जिसके बारे में भीषण गर्मी में लोगों की प्यास बुझाने के बढ़-चढ़कर दावे किए जा रहे थे, तो हकीकत यह है कि वे खराब पड़े हैं। जहां तक वाटर ट्रीटमेंट प्लांट की बात है, तो हाल फिलहाल नौ वाटर ट्रीटमेंट प्लांट अपनी क्षमता से ज्यादा काम कर रहे हैं। दिसंबर तक द्वारका में एक नया प्लांट बनकर तैयार हो जाएगा। लेकिन, असली समस्या तो पानी की मांग और उपलब्धता की है। दिल्ली में पानी की मांग 1,296 एमजीडी से 1,300 एमजीडी तक है, जबकि सप्लाई केवल 998.8 से 1,000 एमजीडी ही है। स्वाभाविक है 300 एमजीडी पानी की कमी तो बरकरार रहती ही है। जल संकट के मद्देनजर कुल 587 ट्यूबवेल लगाने की योजना थी। पहले चरण में इनमें से कुछ लगे भी, जिनसे 19 एमजीडी पानी मिल रहा है, जबकि दूसरे चरण में 2,590 ट्यूबवेल के लिए 1,800 करोड़ की राशि की दरकार थी, जिसकी अभी तक मंजूरी नहीं मिली है। फिर दिल्ली सरकार के जल बोर्ड की क्षमता केवल 90 करोड़ गैलन पानी के ट्रीटमेंट की ही है। हकीकत यह है कि दिल्ली सरकार खुद ही पानी के ट्रीटमेंट और स्टोरेज पर पूरी तरह ध्यान नहीं दे पा रही है। ऐसे में दिल्ली सरकार दिल्लीवासियों की पानी की जरूरत कैसे पूरी कर पाएगी, यह समझ से परे है। जबकि सर्वोच्च न्यायालय ने दिल्ली सरकार से पानी की बर्बादी रोकने के लिए योजना पेश करने का निर्देश दिया है। ऐसे में जब तकरीबन 40-50 साल पुरानी पाइप लाइन लीकेज और जगह-जगह फटने से हजारों गैलन पानी की बर्बादी रोजमर्रा की बात है, तो इनमें सुधार किए बिना आने वाले दिनों में दिल्ली वाले पानी के संकट से कैसे निजात पाएंगे, यह समझ से परे है। हिमाचल की मनाही और शीर्ष अदालत के अपर रिवर यमुना बोर्ड के पास जाने के लिए कहने के बाद देखने वाली बात है कि अब दिल्ली सरकार पानी के लिए क्या कदम उठाएगी।

इंगमर बर्गमैन बन गया स्क्रीनप्ले राइटर

चालीस साल के दौरान इंगमर ने करीब 60 फिल्में लिखीं, 170 नाटक लिखे तथा 100 किताबें लिखीं। करीब 90 मिनट की उनकी फिल्मों की थीम बहुत अनोखी होती थी और वे जोखिम उठाते थे, इसी कारण वे आने वाले कुछ बड़े निर्देशकों की प्रेरणा रहे। विश्व प्रसिद्ध निर्देशक इंगमर बर्गमैन संयोग से स्क्रीनप्ले राइटर बन गए। 14 जुलाई 1918 को स्वीडन में जन्मे बर्गमैन नाटक लिख रहे थे और इन नाटकों का सफल प्रदर्शन हो रहा था। एक नाटक 'कैस्पर'स डेथ' का निर्देशन करने का अवसर उन्हें मिला। नाटक के कई शो हुए और वह सफल रहा। स्टीना बर्गमैन उपन्यासकार-नाटककार यलमर (र्प्रेर्ते) बर्गमैन की विधवा थीं, वे स्वेन्स्क फिल्म इंडस्ट्री स्टूडियो के स्क्रिप्ट विभाग की प्रमुख थीं। साथ ही अमेरिकन फिल्म ड्रामा तकनीक की विशेषज्ञ थीं। उन्होंने इंगमर बर्गमैन के कुछ नाटक देखे थे और वे उनसे प्रभावित थीं। जब समय आया उन्होंने इंगमर को बुलाया और करारनामे के तहत कुछ समय के लिए उन्हें अपने विभाग में रख लिया।शुरू में उनका काम बहुत बोरिंग था। उन्हें एक जाने-माने लेखक के भयंकर स्क्रीनप्ले को सुधारना था। जब वे नए संस्करण के साथ गए, तो उनके काम को अच्छा माना गया। पर उस स्क्रीनप्ले पर कभी फिल्म नहीं बनी। लेकिन इंगमैन को मासिक वेतन पर स्क्रिप्ट राइटर की नौकरी पर रख लिया गया। उन्हें विभाग में डेस्क, टेलीफ़ोन और अपना ऑफिस मिल गया। ये बातें इंगमर बर्गमैन ने अपनी किताब 'इमेजेस: माई लाइफ इन फिल्म' में लिखी हैं। उनका काम था सुबह नौ बजे से शाम पांच बजे तक अपने टेबल पर बैठ कर उपन्यासों, कहानियों अथवा आई हुई सिनॉप्सिस से स्क्रीनप्ले तैयार करने की कोशिश करना।

अपने ही बनाए नियमों को सुबह शाम तोड़ रहे हैं पाकिस्तान के प्रधानमंत्री और उनके मंत्री

इसे पाकिस्तान की विडंबना ही कहें कि जहां आम लोगों को एक्स का इस्तेमाल करने पर पाबंदी लगा दी गई है, वहीं प्रधानमंत्री खुद और उनके मंत्रिमंडल के सदस्य सुबह-शाम एक्स का उपयोग कर अपने ही नियम को तोड़ रहे हैं। असैन्य तानाशाही अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को खत्म करने के लिए हर तरह के हथकंडे अपना रही है।बोलने की आजादी, जुझारू व हर तरह के सेंसरशिप से आजाद मीडिया, असहमति को सहन करने की ताकत, असंतोष को दबाना-ये सभी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से जुड़े मुद्दे हैं, जिनके बारे में हम दुनिया भर में पढ़-सुन रहे हैं। हर जगह शासक और ताकतवर लोग मीडिया की आवाज को दबाने की कोशिश कर रहे हैं। सिर्फ उन्हीं खबरों को प्रकाशित एवं प्रसारित करने की अनुमति देते हैं, जो उन्हें पसंद हों। दक्षिण एशिया के देश दुनिया के अन्य देशों से अलग नहीं हैं और इस हफ्ते मैं अमर उजाला के पाठकों का ध्यान इस खबर की ओर दिलाना चाहूंगी कि पाकिस्तान की मुख्य पार्टियां यह सुनिश्चित करने के लिए एकजुट हो गई हैं कि एक ऐसा कानून बनाया जाए, ताकि मीडिया की आवाज को और दबाया जा सके हालांकि पाकिस्तानी मीडिया को चुप कराने संबंधी खबरों में सबसे निराशाजनक खबर दिवंगत बेनजीर भुट्टो की पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी की तरफ से आई है, जिसने पंजाब प्रांत की पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) की मरियम नवाज सरकार के नए विवादास्पद पंजाब मानहानि विधेयक, 2024 को पारित कराने में साथ दिया है, ताकि उन आक्रोशित नागरिकों को शांत किया जा सके, जो अपनी भावनाओं को व्यक्त करने के लिए सोशल मीडिया का उपयोग करते हैं। अतीत में जनरल जिया उल हक जैसे सैन्य तानाशाहों ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर पूरी तरह पाबंदी लगा दी थी और विरोध करने वालों को सार्वजनिक रूप से कोड़े तक मारे थे। आज भी मेरे एक बुजुर्ग सहकर्मी नासिर जैदी जीवित हैं, जो बताते हैं कि कैसे तानाशाह ने उन्हें स्वतंत्र रूप से लिखने की हिम्मत करने के लिए कोड़ों से पीटा था। आज असैन्य तानाशाही अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को खत्म करने के लिए

हर तरह के हथकंडे अपना रही है। यही नहीं, अब पत्रकारों के गायब होने और उनकी हत्या का खतरनाक चलन भी दिख रहा है। इससे पहले दुनिया भर के तानाशाहों की तरह पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कुछ महीने पहले पूरे पाकिस्तान में एक्स पर प्रतिबंध लगा दिया था। तब लोगों को वीपीएन इंस्टाल करना पड़ता था, जो सिस्टम को अनब्लॉक करने में मदद करता है, ताकि उपयोगकर्ता ट्वीट कर सकें। इनमें से कुछ वीपीएन मुफ्त हैं, जबकि कुछ अन्य के लिए आपको भुगतान करना पड़ता है, तभी एक्स तक पहुंच सकते हैं। लेकिन विडंबना यह है कि जहां आम लोगों को एक्स का इस्तेमाल करने पर पाबंदी लगा दी गई है, वहीं प्रधानमंत्री खुद और उनके मंत्रिमंडल के सभी सदस्य सुबह-शाम एक्स का उपयोग कर अपने ही नियम को तोड़ रहे हैं। इस हफ्ते हम सबको इस बात पर हंसी आई कि एक्स को ब्लॉक किए जाने के बावजूद प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और उनके भाई नवाज शरीफ ने भारतीय प्रधानमंत्री को आम चुनाव में जीत की बधाई ट्वीट करके दी और प्रधानमंत्री मोदी ने भी ट्वीट करके जवाब दिया। इस पाखंड को सबने समझ लिया कि पाकिस्तान के राजनेता कैसे अपने ही कानून वउल्लंघन कर रहे हैं। अब पंजाब प्रांत की सरकार ने पंजाब मानहानि विधेयक, 2024 के लिए आधिकारिक रूप से गजट अधिसूचना जारी कर दी है, जिसे विवादास्पद कहा जाता है। नए कानून का उद्देश्य यूट्यूब, टिकटॉक, एक्स, फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर गलत सूचनाओं से निपटना है, जिससे 'फर्जी खबर' फैलाने वालों के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया जा सके। इस बात से हर कोई सहमत है कि सोशल मीडिया पर जो कुछ पोस्ट किया जाता है,उनमें से कुछ नफरत से भरा और अस्वीकार्य होता है। लेकिन उन अकाउंट को बंद करने के बजाय, जो नुकसान पहुंचाने की कोशिश करते हैं, आप पूरे नेटवर्क को बंद नहीं कर सकते। पत्रकार समुदाय ने इस विधेयक का जमकर विरोध किया है। गैर-लोकतांत्रिक बताते हुए इसकी निंदा की है। मानवाधिकार कार्यकर्ताओं की ओर से भी प्रेस की स्वतंत्रता को बाधित करने के कारण कड़ी आपत्ति जताई गई है। अंग्रेजी दैनिक द डॉन ने संपादकीय में लिखा है- 'ये घटनाक्रम इस बात की याद दिलाते हैं कि हमारे संविधान द्वारा प्रदत्त अभिव्यक्ति और भाषण की स्वतंत्रता पर शिकंजा कसा जा रहा है, जिसे आम नागरिक अभी तक पूरी तरह समझ नहीं सके हैं। यहां चिंता यह नहीं है कि नागरिकों को जो कुछ भी वे कहना या उपभोग करना चाहते हैं, उन्हें उसकी अनुमति दी जानी चाहिए, आखिरकार नागरिक होने के नाते वे भी देश के कानून से बंधे हैं। बल्कि डर यह है कि इन हथकंडों का इस्तेमाल पुलिस और सत्ता से असहमत केवल चुनिंदा लोगों को निशाना बनाने के लिए किया जाएगा।' इस हफ्ते की दूसरी चौंकाने वाली खबर यह है कि शहबाज शरीफ सरकार अब इंटरनेट फायरवॉल बना रही है, जिसे कथित तौर पर अधिकारियों ने गुप्त रूप से लागू करना शुरू कर दिया है, जो उन्हें पाकिस्तानी उपयोगकर्ताओं द्वारा इंटरनेट पर पोस्ट की जाने वाली या देखी जाने वाली हर चीज पर जासूसी करने की अनुमति देगा। यह इंटरनेट फायरवॉल ग्रेट फायरवॉल की तरह है, जिसका उपयोग चीनी अधिकारी अपने नागरिकों पर नजर रखने के लिए करते हैं। यह इंटरनेट फायरवॉल इंटरनेट पुलिस की तरह काम करेगा। खबरें बताती हैं कि सरकार ने विभिन्न प्रौद्योगिकियों का उपयोग शुरू कर दिया है, जिससे यह निगरानी की जा सकेगी कि कोई उपयोगकर्ता इंटरनेट पर क्या कह, सुन या पढ़ रहा है। एक दृष्टिकोण है कि इसके दुरुपयोग की संभावना बहुत ज्यादा है, इसलिए इस परियोजना के पूरा होने से पहले उचित मंचों पर इसे जांच के दायरे में लाया जाना चाहिए। पाकिस्तान तानाशाहों को अपने लोगों पर नियंत्रण बढ़ाने का जोखिम नहीं ले सकता। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को बाधित करने के निरंतर प्रयासों पर पूर्व संपादक अब्बास नासिर ने कहा, 'यह उल्लेखनीय है कि इन दिनों मीडिया पर होने वाली किसी भी चर्चा में लगभग हमेशा पारंपरिक मीडिया को शामिल नहीं किया जाता है, जैसे कि ऑनलाइन समाचार साइटों के अलावा, चौबीसों घंटे चलने वाले दर्जनों टीवी चैनल और समाचार पत्र। इसका केवल एक कारण हो सकता है : पारंपरिक मीडिया अब अधिकारियों के इतने अधीन है कि इसे बड़े पैमाने पर उनका मुखपत्र माना जाता है। बहुत कम सम्मानजनक अपवादों के बावजूद। अगर आप मुझसे पूछें, तो यह दुखद है।' बहरहाल, कई दशकों के अपने अनुभव के आधार पर मेरा मानना है कि पाकिस्तानी मीडिया इस पर पलटवार करेगा। यहां तक कि अतीत में भी इसने सैन्य एवं असैन्य तानाशाही का विरोध किया है। हम अपनी जगह वापस पाने, अपनी आवाज बुलंद करने और सच बोलने के लिए लड़ेंगे।

जानलेवा तम्बाकू का एक उपयोगी पहलू भी

भारत सरकार के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के अधीन कार्यरत् गुण्टूर स्थित राष्ट्रीय तम्बाकू बोर्ड के अनुसार तम्बाकू भारत में उगाई जाने वाली महत्वपूर्ण व्यावसायिक फसलों में से एक है। यह प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 4.57 करोड़ लोगों को रोजगार प्रदान करता है।

तम्बाकू बोर्ड के अनुसार राष्ट्रीय खजाने में 9,739.06 करोड़ रुपये की विदेशी मुद्रा अर्जित कराता है। तम्बाकू सेवन को मौत का पिछला दरवाजा माना जाता है। राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अभिलेखों के अनुसार देश में तम्बाकू जनित बीमारियों से प्रतिदिन औसतन 3500 लोगों की मौतें होती हैं। विश्व स्वास्थ संगठन (डब्लुएचओ) की एक रिपोर्ट के अनुसार 35 से अधिक उम्र के लोगों के तम्बाकू जनित बीमारियों के इलाज पर प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से 1.77 लाख करोड़ रुपये खर्च हुये थे। डब्लुएचओ की रिपोर्ट के अनुसार भारत में वर्ष 2019 में 12 लाख से अधिक लोगों की मौत तम्बाकू जनित बीमारियों के कारण हुयीं थीं जिनमें 2.40 लाख लोग धूम्रपान करने वालों के आसपास रहते थे। तम्बाकू की महामारी पर नियंत्रण करने के लिये भारत में 11वीं पंचवर्षीय योजना के दौरान वर्ष 2007-08 में राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम (एनटीसीपी) शुरू किया गया था जिस पर हर साल एक बड़ी रकम खर्च होती। इसी कार्यक्रम के तहत 2025 तक तम्बाकू उपभोग में 30 प्रतिशत कमी लाने का लक्ष्य रखा गया है। लेकिन इस बेहद डरावने सच के पीछे एक सच और भी है जो कि अक्सर चर्चा में नहीं आ पाता है। यह दूसरा सच तम्बाकू उत्पादन और अर्थ व्यवस्था में इसके योगदान का है।भारत सरकार के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के अधीन कार्यरत् गुण्टूर स्थित राष्ट्रीय तम्बाकू बोर्ड के अनुसार तम्बाकू भारत में उगाई जाने वाली महत्वपूर्ण व्यावसायिक फसलों में से एक है। यह प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 4.57 करोड़ लोगों को रोजगार प्रदान करता है। तम्बाकू बोर्ड के अनुसार राष्ट्रीय खजाने में 9,739.06 करोड़ रुपये की विदेशी मुद्रा अर्जित कराता है। तम्बाकू बार्ड के रिकार्ड के अनुसार वर्ष 2022-23 के दौरान दुनिया में तम्बाकू के उत्पादन में भारत का प्रमुख स्थान रहा। 2021 के दौरान, भारत उत्पादन में चीन के बाद दूसरा सबसे बड़ा देश (एफएओ स्टेट डेटा, 2021) और दुनिया में अनिर्मित तम्बाकू का चैथा सबसे बड़ा निर्यातक (आईटीसी ट्रेडमार्क डेटा 2021) रहा। भारत फ्लू क्योर्ड वर्जीनिया तम्बाकू के विभिनन्प्रकार के उत्पादों का उत्पादन करता है, जो उनकी भौतिक और रासायनिक विशेषताओं में भिनन् होती हैं। बोर्ड के अनुसार भारत ने 2020 में 766,000 टन से अधिक पत्ती का उत्पादन किया। यह वैश्विक उत्पादन का 9 प्रतिशत है। भारत में प्रमुख तम्बाकू उत्पादक राज्यों में गुजरात, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना और बिहार शामिल हैं। गुजरात, आंध्र प्रदेश और उत्तर प्रदेश देश के कुल उत्पादन में क्रमशः लगभग 45, 20 और 15 प्रतिशत का योगदान करते हैं। आर्थिक रूप से सबसे महत्वपूर्ण कृषि फसलों में से एक वणिज्य मंत्रालय के अधीन केन्द्रीय तम्बाकू अनुसंधान संस्थान राजामुन्द्री (सीटीआरआइ) की वेबसाइट में दिये गये विवरण के अनुसार तम्बाकू दुनिया में आर्थिक रूप से सबसे महत्वपूर्ण कृषि फसलों में से एक है। यह सूखा सहने वाली, कठोर और कम अवधि वाली फसल है जिसे ऐसी मिट्टी पर उगाया जा सकता है जहाँ अन्य फसलों की खेती लाभप्रद रूप से नहीं की जा सकती। भारत में तम्बाकू की फसल 45 हजार हेक्टेयर (शुद्ध खेती वाले क्षेत्र का 0.27 प्रतिशत) क्षेत्र में उगाई जाती है, जिससे 75 करोड़ किलोग्राम तम्बाकू पत्ती का उत्पादन होता है। चीन और ब्राजील के बाद भारत क्रमशः दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक और निर्यातक है। फ्लू-क्योर्ड वर्जीनिया(एफसीवी)तम्बाकू का उत्पादन 20 हजार हेक्टेयर क्षेत्र से लगभग 30 करोड़ किलोग्राम है, जबकि 25 हजार हेक्टेयर क्षेत्र से 45 करोड़ किलोग्राम गैर तम्बाकू का उत्पादन होता है। वैश्विक परिदृश्य में, भारतीय तम्बाकू का क्षेत्रफल 10 प्रतिशत और कुल उत्पादन का 9 प्रतिशत है। भारत में तम्बाकू उत्पादन की अनूठी विशेषता यह है कि पूरे देश में फैली विविध कृषि-पारिस्थितिक स्थितियों के तहत फ्लू-क्योर्ड वर्जीनिया और विभिनन् प्रकार के गैर फ्लूयू क्यौर्ड वर्जीनिया तम्बाकू का उत्पादन किया जाता है। देश के लगभग 15 राज्यों में तम्बाकू की खेती की जाती है, जो कृषि समुदाय की अर्थव्यवस्था और समृद्धि को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करता है। भारत में प्रमुख तम्बाकू उत्पादक राज्यों में गुजरात, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना और बिहार शामिल हैं। गुजरात, आंध्र प्रदेश और उत्तर प्रदेश देश के कुल तम्बाकू उत्पादन में क्रमशः लगभग 45, 20 और 15 प्रतिशत का योगदान करते हैं। कर्नाटक लगभग 8 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर है, जबकि शेष राज्य सामूहिक रूप से देश के कुल तम्बाकू उत्पादन का लगभग 2-3 प्रतिशत हिस्सा बनाते हैं। एफसीवी, बीड़ी, हुक्का, च्यूइंग, सिगार-रैपर, चेरूट, बर्ली, ओरिएंटल, एचडीबीआरजी, लंका, पिक्का, नाटू, मोतिहारी, जटी आदि देश में उगाए जाने वाले तम्बाकू के विभिनन् प्रकार हैं। एफसीवी, बर्ली और ओरिएंटल तम्बाकू प्रमुख निर्यात योग्य प्रकार हैं।राजामुन्द्री स्थित सीटीआरआइ के अनुसार 60 लाख किसान और तम्बाकू की खेती में जुड़े 2 करोड़ खेत मजदूर शामिल हैं। इसके अलावा 1 करोड़ लोग प्रसंस्करण, विनिर्माण और निर्यात में कार्यरत हैं। अकेले बीड़ी बनाने से 44 लाख लोगों को रोजगार मिलता है और 22 लाख आदिवासी तेंदू पत्ता संग्रह में शामिल हैं। मुख्य लाभार्थी छोटे और सीमांत किसान, ग्रामीण महिलाएं, आदिवासी युवा और समाज के कमजोर वर्ग हैं। तम्बाकू से प्रतिवर्ष 4,400 करोड़ रुपये की विदेशी मुद्रा प्राप्त होती है, जो देश के कुल कृषि-निर्यात का 4 प्रतिशत है, तथा 14,000 करोड़ रुपये उत्पाद शुल्क राजस्व के रूप में प्राप्त होते हैं, जो सभी स्रोतों से प्राप्त कुल उत्पाद शुल्क राजस्व का 10 प्रतिशत से अधिक है। भारत विश्व का प्रमुख तम्बाकू निर्यातक भारतीय तम्बाकू को 'पैसे के लिए मूल्य' माना जाता है। भारत तम्बाकू के प्रमुख निर्यातकों में से एक है, तथा ब्राजील के बाद दूसरे स्थान पर है। विश्व तम्बाकू व्यापार में देश की हिस्सेदारी मात्रा के हिसाब से 6 प्रतिशत तथा मूल्य के हिसाब से 0.7 प्रतिशत है तथा हमारे निर्यात का 80-85प्रतिशत हिस्सा अकेले फ्लू-क्योर्ड वर्जीनिया (एफसीवी) का है। पिछले पांच वर्षों के दौरान, तम्बाकू तथा तम्बाकू उत्पादों के निर्यात में क्रमशः मात्रा और मूल्य के हिसाब से 76 प्रतिशत तथा 209 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यू.के., जर्मनी, बेल्जियम, तत्कालीन सोवियत संघ, दक्षिण कोरिया तथा दक्षिण अफ्रीका भारतीय एफसीवी तम्बाकू के प्रमुख आयातक हैं, जो हमारे निर्यात का 60 प्रतिशत से अधिक हिस्सा है। वर्तमान में निर्यात बाजार में भारत के प्रतिस्पर्धी देश ब्राजील, जिम्बाब्वे, तुर्की, चीन और इंडोनेशिया हैं। विश्व सिगरेट निर्यात में भारत की हिस्सेदारी मात्र 1 प्रतिशत से भी कम है। हालांकि, सुगंधित बीड़ी, हुक्का तंबाकू पेस्ट, सुगंधित चबाने वाले तंबाकू और जर्दा का निर्यात उल्लेखनीय है और निकट भविष्य में इन उत्पादों के निर्यात को बढ़ाने की गुंजाइश है। चार बड़ी कम्पनियां का सिगरेट उद्योग पर दबदब भारतीय सिगरेट बाजार पर चार कंपनियों का प्रभुत्व है जिनमें आईटीसी लिमिटेड, गॉडफ्रे फिलिप्स इंडिया लिमिटेड (जीपीआई), वीएसटी इंडस्ट्रीज लिमिटेड और फिलिप मॉरिस इंटरनेशनल (पीएमआई) शमिल हैं जिनकी 2022 में कुल सिगरेट बिक्री में 98 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। टुबैको बोर्ड गण्टूर की वेबसाइट में पंजीकृत वर्जीनियां तंबाकू निर्माता कंपनियों में 24 कंपनियों की सूची दी गयी है। इनके अलावा सिनार बीड़ी उद्योग और मोहलाल हरगोविन्द दास बीड़ी उद्योग जैसी कुछ बीड़ी कंपनियां भी हैं जिनमें लाखों महिला पुरुष काम करते हैं। बीड़ी बनाने का काम समूचे भारत में फैला हुआ है और इसमें महिलाओं एवं बच्चियां बहुतायत से जुडी हैं। लाखों की संख्या में ग्रामीण और शहरी गरीब महिला कामगार अपना परिवार इससे पालती हैं। तेंदू पत्तों में तंबाकू फैलाकर और फिर शंक्वाकार में मोड़ कर बीड़ी तैयार की जाती है। नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन के एक सर्वे के अनुसार तम्बाकू सेवन के विविध स्वरूपों में बीड़ी पीने वाले वयस्कों का अनुपात 2009-2010 के दौरान 50.1 प्रतिशत था जो 2016-2017 के दौरान बढ़कर 57.0 प्रतिशत हो गया।

बॉलीवुड/टेली मसाला

त्यागी' जी 'मटका किंग' बनकर करेंगे गैबलिंग

क्या था सुशांत सिंह राजपूत का 4747 से कनेक्शन अभिनेता की इन बातों से भी अनजान होंगे आप

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। 12 साल टीवी और 7 साल बॉलीवुड के करियर में सुशांत सिंह राजपूत ने अपने हुनर और मेहनत के दम पर सिनेमा जगत में एक अलग पहचान हासिल की। पटना में जन्मे सुशांत घर से इंजीनियर बनने निकले थे लेकिन किस्मत ने उन्हें अभिनेता बना दिया। के निधन को आज 4 साल हो गये हैं। 14 जून को अभिनेता ने हमेशा-हमेशा के लिए इस दुनिया को अलविदा कह दिया था। अभिनेता के निधन का गम आज भी उनके चाहने वालों के दिल से नहीं गया है। अपनी काबिलियत और जुनून के लिए वह हमेशा याद किये जाएंगे। यहां जानिए अभिनेता से जुड़ी कुछ अनकही और दिलचस्प बातें। 21 जनवरी 1986 को पटना में जन्मे सुशांत सिंह राजपूत ने होमटाउन में शुरुआती पढ़ाई करने के बाद दिल्ली आ गये थे। दिल्ली वह इंजीनियर बनने आये थे, लेकिन थिएटर से जुड़ने के बाद उनके अंदर अभिनय का कीड़ा जाग उठा था। आपको जानकर हैरानी होगी कि वह 11 इंजीनियरिंग की प्रवेश परीक्षा में पास हुए थे। यही नहीं, ऑल इंडिया इंजीनियरिंग एंट्रेंस एग्जाम (ऐंं में सुशांत की 7वीं रैंक आई थी। सुशांत ने दिल्ली स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग में पढ़ाई भी की। तीन साल तक इंजीनियर की पढ़ाई करने के बाद उन्होंने कॉलेज छोड़ दिया। वह पढ़ाई में अव्वल थे, लेकिन अभिनय उनका पैशन था और इसे फॉलो करने के लिए उन्होंने पढ़ाई बीच में छोड़ने का फैसला लिया था। सुशांत सिंह राजपूत को एक्टिंग के साथ-साथ डांस में भी महारत हासिल थी। उन्होंने श्यामक डावर के ग्रुप और एश्ले लोबो से डांस की सीख ली और नादिरा बब्बर के थिएटर ग्रुप व बैरी जॉन के एक्टिंग स्कूल से अभिनय का पाठ सीखा। आपको शायद ही पता हो कि अभिनेता ने ऐश्वर्या राय और अभिषेक बच्चन स्टारर फिल्म 'धूम 2' में बैकग्राउंड डांसर के तौर पर काम किया था। शाह रुख खान पहले बॉलीवुड अभिनेता हैं, जिनका चांद पर घर है। मगर शायद ही आपको पता हो कि सुशांत सिंह राजपूत का भी चांद पर अपनी जमीन थी। साल 2018 में सुशांत ने इंटरनेशनल लूनर लैंड्स रजिस्ट्री से खरीदी थी। उनका प्लॉट सी ऑफ मसकोवी में है। दोनों हाथ से लिखने का हुनर रखने वाले सुशांत के पास

हाई एडवांस टेलीस्कॉप भी था। उन्होंने नासा) जाकर एस्ट्रोनेट बनने की तैयारी भी की थी, लेकिन वह उस किरदार को निभा नहीं पाये। सुशांत सिंह राजपूत ने साल 2008 में टीवी सीरियल 'किस देश में है मेरा' से एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। सीरियल में भले ही उनका सेकंड लीड रोल था, लेकिन उन्होंने अपनी परफॉर्मेंस से सभी का दिल चुरा लिया था। इसके बाद उन पर एकता कपूर की नजर पड़ी और उनके हाथ 'पवित्र रिश्ता' लगी। इस सीरियल ने उन्हें रातोंरात स्टार बना दिया। सुशांत को हमेशा से बॉलीवुड में काम करना था। इसलिए टीवी में चमकने के बाद उन्होंने फिल्मी दुनिया की ओर रुख किया और पहली फिल्म 'काई पो छे' की। उन्होंने इंडस्ट्री में 'एमएस धोनीः द अनटोल्ड स्टोरी' से पहचान मिली। फिर उन्होंने 'केदारनाथ' और 'छिछोरे' जैसी फिल्मों में काम किया। 14 जून 2020 को अभिनेता का निधन हो गया था।

पहली बार पुलिस ऑफिसर की भूमिका निभाएंगी हरलीन सेठी, कभी विक्की कौशल के साथ जुड़ा था नाम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। एकता कपूर की वेब सीरीज 'ब्रोकन बट ब्यूटीफुल' और कोहरा जैसी वेब सीरीज में अपनी अदायगी का दम दिखाने वाली हरलीन सेठी जल्द ही अब अनुराग कॉप वेब सीरीज में दिखाई देंगी। हरलीन सेठी में ब्रोकन बट ब्यूटीफुल को लेकर खूब तारीफें बटोरी थीं। हालांकि, कुछ सालों पहले वह बॉलीवुड अभिनेता विक्की कौशल के साथ कथित

कश्यप की वेब सीरीज 'बैड कॉप' में नजर आएंगी। इस सीरीज में उनका रोल बेहद ही दमदार होने वाला है। एकता कपूर की वेब सीरीज ब्रोकन बट ब्यूटीफुल से चर्चा में आई थीं। कुछ सालों पहले बॉलीवुड अभिनेता विक्की कौशल संग भी उनका नाम जुड़ा था खबर थी की दोनों एक समय पर डेट कर चुके हैं। कोहरा जैसी वेब सीरीज का हिस्सा रहीं हरलीन सेठी अब जल्द ही अनुराग कश्यप के साथ बैड तौर पर अपने रिश्ते को लेकर भी सुखियां बटोर चुकी हैं। हाल ही में हरलीन सेठी ने अपनी आगामी सीरीज के बारे में बातचीत की और बताया कि एक्टिंग की दुनिया में उन्होंने कैसे अपनी शुरुआत की। इंडस्ट्री में जब अवसर मिलने लग जाते हैं, तो आत्मविश्वास बढ़ जाता है। ऐसा ही कुछ कोहरा और ब्रोकेन बट ब्यूटीफुल वेब शो की अभिनेत्री हरलीन सेठी के साथ भी रहा है।

कई साल की मेहनत से गढ़ी गई है कल्कि 2898 एडी की दुनिया, अलग होगा अमिताभ बच्चन का अवतार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। एक काल्पनिक दुनिया तथा उससे जुड़े लोग और चीजें सब कुछ तैयार करना किसी भी फिल्मकार के लिए आसान नहीं होता है। खासतौर पर तब, जब उस ऐसी ही चुनौतियां रहीं। फिल्म कल्कि 2898 एडी में अलग महानायक अमिताभ बच्चन का अवतार होगा। राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार विजेता निर्देशक नाग अश्विन ने इस फिल्म से पहली बार और स्पेशल इफेक्ट्स के साथ देश की कुछ प्रतिष्ठित और बेहतरीन वीएफक्स कंपनियों की मदद ली। उनकी सहायता से ही वह अपनी कल्पना को पर्दे पर लान में सफल हो पाए हैं। साल 2021 में इस फिल्म

फिल्मकार का पहला प्रयास हो। 27 जून को प्रदर्शित हो रही फिल्म कल्कि 2898 एडी के लिए निर्देशक नाग अश्विन के सामने कुछ ऐसी ही चुनौतियां रहीं। एक काल्पनिक दुनिया तथा उससे जुड़े लोग और चीजें सब कुछ तैयार करना किसी भी फिल्मकार के लिए आसान नहीं होता है। खासतौर पर तब जब उस फिल्मकार का पहला प्रयास हो। 27 जून को प्रदर्शित हो रही फिल्म कल्कि 2898 एडी के लिए निर्देशक नाग अश्विन के सामने कुछ साइंस फिक्शन जानर में हाथ आजमाया है। फिल्म से जुड़े सूत्रों के अनुसार, नाग अश्विन को सेट और स्पेशल इफेक्ट के माध्यम से कल्कि 2898 एडी की दुनिया का निर्माण करने में तीन साल से ज्यादा का समय लगा। भारतीय टिकट खिड़की पर मैड मैक्स और डून जैसी हॉलीवुड फिल्मों की अच्छी कमाई देखकर, उन्हें इस जॉनर की फिल्म बनाने का ख्याल आया था। इस फिल्म में दिखाए काशी शहर को बनाने के लिए पहले उन्होंने सेट की शूटिंग शुरू होने के साथ इसके वीएफएक्स (विजुअल इफेक्ट्स) पर भी काम शुरु हो गया था। फिल्म का वीएफएक्स खर्च करीब 200 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। प्रभास और दीपिका पादुकोण अभिनीत इस फिल्म में हिंदी सिनेमा के महानायक अमिताभ बच्चन एक अलग लुक में नजर आएंगे। रिपोर्ट्स के अनुसार, इस लुक के लिए मेकअप करने में उन्हें करीब तीन घंटे लग जाते थे।

एक्टिंग छोड़ने की खबरों पर राजेश कुमार ने तोड़ी चुप्पी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मुंबई। कलाकार कुछ दिन कैमरे से दूर हो जाएं तो लोगों को लगता है कि कहीं एक्टिंग तो नहीं छोड़ दी। अभिनेता राजेश कुमार को लेकर पिछले दिनों खबरें आ रही थीं कि उन्होंने एक्टिंग छोड़ दी है। फैक्ट्री सीजन 3 में राजेश शिक्षक की भूमिका में नजर आएंगे।वह कहते हैं कि मैं जीवन के अनुभवों से ही सीखता हूं। हमारे आसपास जो घट रहा है, उसको लेकर जागरूक होने की आवश्यकता है। जलवायु परिवर्तन का संकट है।

राजेश कहते हैं कि मैंने भी वे खबरें पढ़ी थीं। किसी ने लिखा था कि इन्होंने एक्टिंग से छुट्टी ली है और खेती कर रहे हैं, पर ऐसा कुछ नहीं है। मुझे खेती करना भाता है।राजेश कुमार बीते साल 2023 में नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ फिल्म हड्डी में दिखाई दिए थे। ऐसे में उन्हें लेकर बीच में यह खबरें भी आई कि उन्होंने एक्टिंग छोड़ दी है। अब इस पर खुद एक्टर ने चुप्पी तोड़ी है। राजेश कुमार ने बताया कि मुझे खेती करना भाता है। प्रकृति के करीब जाने पर चिंता गुस्सा तनाव दूर हो जाते हैं। अभिनय के लिए भी समय निकालता हूं।प्रकृति के करीब जाने पर चिंता, गुस्सा, तनाव दूर हो जाते हैं। अभिनय के लिए भी समय निकालता हूं। अभिनय मेरी पहचान और पेशा दोनों है। मुझे दोनों कामों में मजा आ रहा है। नेटफ्लिक्स पर 20 जून से प्रसारित होने वाले शो कोटा ऐसे में पौधे लगाकर पर्यावरण सरोकार भी पूरा हो जाता है। यह चाहता हूं कि मेरे जाने के बाद भी लोग मेरे लगाए पेड़ों से फल खाएं। आने वाली पीढ़ी को यह मेरा उपहार होगा।बता दें कि छोटे पर्दे के कल्ट शो 'साराभाई वर्सेज साराभाई' में रोसेश साराभाई का किरदार निभाकर राजेश कुमार ने घर-घर में अपनी एक अलग पहचान बनाई। इसके बाद उन्होंने कई शो में काम किया और आखिरी बार उन्हें नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ 'हड्डी' फिल्म में देखा गया था। अब वह जल्द ही कोटा फैक्ट्री के सीजन 3 में दिखाई देने वाले हैं, जो 20 जून को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होने वाली है। ऐसे में एक बार फिर फैंस उनके अभिनय को देखने के लिए उत्साहित हैं। यह वेब सीरीज कोटा शहर के में एडमिशन लेने के लिए काफी संघर्ष करने वाले छात्रों के जीवन पर बनी है।

200 से अधिक बिच्छुओं के काटने से चेहरे की हुई ऐसी हालत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। 200 से अधिक बिच्छुओं के काटने से चेहरे की हुई ऐसी हालत रोहित शेट्टी का फेमस शो खतरों के खिलाड़ी का सीजन 14 जल्द पर्दे पर आने वाला है। इस वक्त कंटेस्टेंट इसकी शूटिंग में बिजी है जो रोमानिया में चल रही है। शो को लेकर लगातार नए नए अपडेट सामने आ रहे हैं। बीते दिनों शो से आसिम रियाज बाहर हुए थे। तो वहीं अब खबर है कि शालीन भनोट घायल हो गए हैं। तो वही कोई घायल हो रहा है। बुधवार को इस शो को लेकर एक नया अपडेट सामने आया है, जिसे अभिनेता शालीन भनोट ने साझा किया है।

आमिर खान के बेटे जुनैद खान की डेब्यू फिल्म 'महाराज' की रिलीज पर गुजरात हाई कोर्ट ने लगाई रोक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। आमिर खान के बेटे गुजरात हाई कोर्ट ने महाराज की रिलीज पर 18 जून तक रोक कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। महाराज ओटीटी प्लेटफॉर्म

जुनैद खान फिल्म महाराज से डेब्यू करने वाले हैं। फिल्म शुक्रवार को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली थी। अब लगा दी है। फिल्म अपने कंटेंट के कारण विवादों में घिरी हुई थी। महाराज फिल्म के खिलाफ विश्व हिंदू परिषद (ह्न्झ्) ने हाई नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली थी। फिल्म अपने कंटेंट के कारण विवादों में घिरी हुई थी। वहीं अब फिल्म को लेकर रोक का फैसला आ गया है। जुनैद खान की महाराज के कंटेंट को लेकर कुछ सामाजिक संगठनों ने आपत्ति जाहिर की थी। उन्होंने अदालत से फिल्म की रिलीज पर रोक लगाने की अपील करते हुए याचिका दायर की थी। महाराज 14 जून को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होने वाली थी। 13 जून को फिल्म की रिलीज पर हाई कोर्ट ने रोक लगा दी है। महाराज पर धार्मिक भावनाएं आहत करने के आरोप लगे हैं। ईटाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, ये फिल्म वैष्णव समुदाय के एक धार्मिक प्रमुख के इर्द-गिर्द घूमती है। ऐसे में ह्न्झ् ने अदालत से फिल्म की रिलीज पर रोक लगाने की अपील की थी, क्योंकि ये धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाती है। महाराज को लेकर गुरुवार को अहमदाबाद और मुंबई उच्च न्यायालयों में सुनवाई हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, गुजरात हाई कोर्ट ने फिल्म पर 18 जून तक के लिए रोक लगा दी है। ईटाइम्स में सूत्र के हवाले से बताया गया है कि कुछ भक्तों और पुष्टिमार्गीय वैष्णव पंथ के अनुयायियों ने गुजरात उच्च न्यायालय में याचिका दायर की, जिस पर उच्च न्यायालय ने केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड, फिल्म महाराज के निर्माता यश राज फिल्म और ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स को नोटिस जारी किया। हाई कोर्ट ने 18 जून तक के लिए महाराज के ओटीटी और मीडिया प्रसारण पर रोक लगा दी है। जुनैद खान के साथ फिल्म महाराज में जयदीप अहलावत और शरवरी वाघ भी अहम किरदार निभा रहे हैं। महाराज के अलावा जुनैद एक और बड़े प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं, जिसमें उनके साथ एक्ट्रेस सई पल्लवी नजर आने वाली हैं। फिल्म की शूटिंग जापान के खूबसूरत लोकेशंस पर की गई है।

पति संग सैर सपाटे पर निकलीं सलमान खान की ये हीरोइन, हिट फिल्म के बाद हो गई थी गायब

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। हिंदी सिनेमा की कई अदाकाराएं ऐसी हैं, जो लंबे वक्त से एक्टिंग की दुनिया से गायब हैं। इस मामले में अभिनेत्री आयशा टाकिया का नाम भी शामिल है। 2000 के दशक में कई हिट मूवीज में अपनी अदाकारी का जलवा बिखरने वालीं आयशा फैंस की फेवरेट रही हैं। हिंदी सिनेमा के वो सुपरस्टार हैं जिनके साथ फिल्मों में काम करने वालीं अदाकाराओं को खास पहचान मिलती हैं। इस मामले में अभिनेत्री आयशा टाकिया का नाम भी शामिल होता है जो लंबे वक्त से बॉलीवुड से गायब हैं। वॉन्टेड मूवी में सलमान के साथ दिखने वालीं आयशा हाल ही में अपने पति के साथ स्पॉट हुई हैं. बेशक वह बॉलीवुड से दूर हैं, लेकिन सोशल मीडिया पर अक्सर उनकी मौजूदगी देखने को मिल जाती है। इस बीच आयशा की लेटेस्ट तस्वीर सामने आई हैं, जिनमें वह अपने पति फरहान आजमी के साथ स्पॉट हुई हैं। आइए एक नजर उनकी इस पोस्ट पर डालते हैं। साल 2009 में सलमान खान के साथ वॉन्टेड फिल्म में नजर आने वालीं आयशा टाकिया को भला कौन भूल सकता है। आज भी टीवी सेट पर वॉन्टेड की जाह्नवी को देखते ही फैंस एक्साइटेड हो जाते हैं। जिस तरीके किया है, जिनमें वह हसबैंड फरहान आजमी के साथ लॉन्ग ड्राइव पर जाती दिख रही हैं। इन फोटो को काफी सरप्राइज हैं और वह उनकी इन फोटो पर जमकर लाइक और कमेंट भी कर रहे

से इस मूवी में आयशा ने काम किया, उसकी जितनी तारीफ की जाए उतनी कम है। लेकिन वॉन्टेड के बाद से वह लगभग एक्टिंग की दुनिया से गायब ही हो गई हैं। अब अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर आयशा ने लेटेस्ट तस्वीरों को साझा देखकर आप आयशा का पहचानने में थोड़ी मुश्किल का सामना करेंगे। उनकी इन तस्वीरों से ये अंदाजा साफ लगाया जा सकता है कि आयशा का लुक पहले से काफी बदल गया है। लंबे वक्त बाद उनकी फोटो को देखकर फैंस हैं। सिर्फ सलमान खान का वॉन्टेड ही नहीं बतौर एक्ट्रेस आयशा टाकिया कई मूवीज में नजर आ चुकी हैं। उनमें संडे, दिल मांगे मोर, टार्जन-द वंडर कार और सोचा न था जैसी कई फिल्मों के नाम शामिल हैं।

बादशाह को जब मिला अजीब फैन, टॉयलेट में रैपर के सामने कर दी थी ये फरमाइश, कपिल शर्मा के शो में सुनाया किस्सा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मुंबई। द ग्रेट इंडियन कपिल शो में इस बार सिंगिंग सेंसेशन आने वाले हैं। कपिल शर्मा ने शो के शो में नजर आएंगे। द ग्रेट इंडियन कपिल शो के अपकमिंग एपिसोड का प्रोमो जारी कर दिया गया है जिसमें बादशाह

अपकमिंग एपिसोड में रैप इंडस्ट्री के स्टार बादशाह को इनवाइट किया है। द ग्रेट इंडियन कपिल शो का नया प्रोमो नेटफ्लिक्स ने जारी कर दिया है, जिसमें कपिल शर्मा तीन फेमस रैपर संग शो में कॉमेडी का तड़का लगाते हुए नजर आ रहे हैं। द ग्रेट इंडियन कपिल शो में पिछले हफ्ते स्पोर्ट्स की हसीनाओं ने कॉमेडी का तड़का लगाया था। वहीं इस बार रैप इंडस्ट्री के नामी चेहरे डिवाइन और करण औजला नजर आ रहे हैं। प्रोमो में तीनों कई मजेदार किस्से सुनाते हुए दिखाई दिए। द ग्रेट इंडियन कपिल शो में इस बार बादशाह के साथ- साथ रैपर डिवाइन और करण औजला भी नजर आएंगे। प्रोमो में तीनों कई मजेदार किस्से सुनाते हुए नजर आए। द ग्रेट इंडियन कपिल शो का नया प्रोमो आते ही वायरल हो रहा है।

गंगा दशहरा व बकरीद त्यौहार के दृष्टिगत जिला स्तरीय पीस कमेटी की बैठक सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

मीरजापुर। जनपद मीरजापुर की गंगा जमुनी तहजीब के मिशाल को कायम रखने के लिये शान्तिपूर्ण ढंग से मनाए त्यौहार -जिलाधिकारी ग्रामीण व नगरीय क्षेत्रो के प्रमुख मस्जिद व ईदगाहो के पास बेहतर साफ-सफाई, बिजली पानी की व्यवस्था कराने के साथ ही गंगा घाटो पर बेहतर बैरीकेटिंग लगाने का दिया निर्देश सोशल मीडिया पर न डाले भ्रामक फोटो व वीडियो, सम्बन्धित के विरूद्ध होगी कड़ी कार्यवाही -पुलिस अधीक्षवमीरजापुर 13 जून, 2024- आगामी गंगा दशहरा व ईद-उल-जुहा (बकरीद) त्यौहार को जनपद में शान्तिपूर्ण एवं भाईचारे के साथ सम्पनन कराए जाने के दृष्टिगत जिला स्तरीय पीस कमेटी की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन व पुलिस अधीक्षक अभिनन्दन की अध्यक्षता में आहूत की गयी। बैठक में दोनो समुदायो के धार्मिक गुरू व गणमान्य लोगो के अलावा पुलिस अधिकारी व प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहें। बैठक में प्रत्येक थानाध्यक्ष के द्वारा अपने-अपने क्षेत्रो के बारे में सम्पनन होने वाले त्यौहारो के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी। इस अवसर पर विभिनन थानो से आए मुस्लिम व हिन्दू धर्म गुरूओ व गणमान्य व्यक्तियो के द्वारा बताए गए सुझावो व समस्याओं को अमल करते हुये जिलाधिकारी द्वारा सम्बन्धित अधिकारियों को समाधान हेतु निर्देशित किया गया। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने कहा कि जनपद मीरजापुर हमेशा से गंगा जमुनी तहजीब के रूप में जाना जाता है, आगे भी सभी से अपील की जाती है कि शान्तिपूर्ण ढंग से त्यौहार को सम्पनन कराने के लिये आपसी भाईचारे के साथ त्यौहार मनाए। उन्होनें सभी उप जिला मजिस्ट्रेटो व पुलिस क्षेत्राधिकारी को निर्देशित करते हुये कहा कि अपने-अपने क्षेत्र में भ्रमण कर नमाज अदा करने के स्थल व ईदगाह के आस पास बेहतर साफ सफाई, पेयजल, नगरीय क्षेत्रो में अधिशासी अधिकारी नगर पालिका/पंचायत तथा ग्रामीण क्षेत्रो में ग्राम पंचायतो के द्वारा नालियों की सफाई सुनिश्चित कराया जाए। उन्होने

कहा कि ऐसे स्थलो को भी चिन्हित कर विशेष निगरानी रखी जाए, जहां पर सामूहिक रूप से कुर्बानी दी जाती हो, कुर्बानी दिये जाने वाले स्थलो पर गढ्डा खोदकर अपशिष्ट को वहीं ढक दिया जाए, ताकि इधर-उधर बिखरने न पाए। उन्होनें यह भी कहा कि प्रतिबन्धित पशुओ की कुर्बानी किसी भी दशा में न की जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि परम्परागत ढंग से चली आ रही व्यवस्थाओं के अतिरिक्त नई स्थलो पर कोई भी कार्य करने से पूर्व सम्बन्धित थाना व तहसील से सूचित करते हुये अनुमति अवश्य ली जाए। उन्होने अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद चुनार, अहरौरा, नगर पंचायत कछंवा तथा जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित करते हुये कहा कि अपने-अपने क्षेत्रो में सफाई, प्रकाश एवं पेयजल का दायित्व सुनिश्चित करेंगे। अधिशासी अभियन्ता विद्युत को निर्देशित किया गया कि त्यौहारो पर विद्युत आपूर्ति बनाए रखे। उन्होने उप जिला मजिस्ट्रेट को निर्देशित करते हुये कहा कि अपने-अपने चिन्हित स्थलो पर तहसीलदार, नायाब तहसीलदार आदि की ड्यूटी लगाना सुनिश्चित करेंगे। मुख्य चिकित्साधिकारी चिकित्सको व अन्य स्टाफ की तैनाती सुनिश्चित करने के साथ ही एम्बुलेंस की भी व्यवस्था सुनिश्चित करायेंगे।जिलाधिकारी ने गंगा दशहरा त्यौहार की चर्चा करते हुये कहा कि गंगा घाटो/अन्य घाटो पर जहां सनन होते है, पर्याप्त मात्रा में बैरीकेटिंग तथा आवश्यकतानुसार जाली भी लगाया जाए तथा बच्चों व अन्य सननाथियो को गहरे पानी में न जाए जागरूकता हेतु साइन बोर्ड भी लगाए जाए। उपरोक्त दोनो त्यौहारो के दृष्टिगत पर्याप्त मात्रा में सुरक्षा व्यवस्था हेतु आदि की भी व्यवस्था सुनिश्चित करायी जाए। पुलिस अधीक्षक अभिनन्दन ने कहा कि जनपद का गौरवशाली इतिहास रहा है कि अमन चैन भाई चारे के साथ हमेशा सभी के द्वारा मिल जुलकर त्यौहार मानाया जाता रहा हैं। उन्होने सभी गणमान्य व्यक्तियों व अधिकारियों से भी अपील करते हुये कहा कि किसी भी छोटे से छोट विवाद को गम्भीरता पूर्वक लेते हुये उसका तत्काल निदान कराया जाए। प्रायः कतिपय अराजक तत्वो के द्वारा सोशल मीडिया पर अनावश्यक अफवाह फैलाया जाता है किसी के द्वारा बिना जाने समझे सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो अथवा अन्य कोई सामाग्री को आगे न बढ़ाया जाए यदि ऐसा कही किसी व्हाटसएप आता है तो सम्बन्धित थाने पर सूचित कराया जाए अन्यथा सम्बन्धित के विरूद्ध कार्यवाही की जायेगी। उन्होनें कहा कि खुले में कुर्बानी न हो किसी भी पब्लिक स्थल पर कोई भी धार्मिका कार्य न किया जाए। कुर्बानी के उपरान्त अवशोष अपशिष्ट को सुरक्षित ले जाया जाए, ताकि किसी को किसी प्रकार की परेशानी न होने पाए, अफवाहो से दूर रहे, शान्ति भंग करने वालो के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जायेगी। इव अवसर पर अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 शिव प्रताप शुक्ल, अपर पुलिस अधीक्षक नगर नितेश सिंह, नक्सल ओम प्रकाश सिंह, उप जिलाधिकारी सदर आसाराम वर्मा, चुनार राजेश वर्मा, मड़िहान युगांतर त्रिपाठी, लालगंज गुलाब चन्द्र, सभी क्षेत्राधिकारी के अलावा धार्मिक गुरू उपस्थित रहें।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा. दीपक अरोरा द्वारा श्री आधुनिक प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजर्स प्रा.लि. 1-मिर्जापुर रोड नैनी प्रयागराज उ.प्र. 211008 से मुद्रित एवं आधुनिक समाचार पब्लिसिंग हाउस सी 41 यूपीएसआईडीसी नैनी प्रयागराज 211010 (उ.प्र.) से प्रकाशित
सम्पादक/प्रकाशक
डा. पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।